सीखने के प्रतिफल

हिंदी

कक्षा - 1

बच्चे–

H-101. विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– कविता, कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना।

H-102. सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं।

H-103. भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं, जैसे– इन्ना, बिन्ना, तिन्ना।

H-104. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर-प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफ़िक्स) में अंतर करते हैं।

H-105. चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

H-106. चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।

H-107. पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं।

H-108. संदर्भ की मदद से आस-पास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं, जैसे– टॉफ़ी के कवर पर लिखे नाम को 'टॉफ़ी', 'लॉलीपॉप' या 'चॉकलेट' बताना।

H-109. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे– 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/ इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/ 'नाम' में 'म' पर अँगुली रखो।

H-110. परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे– मिड-डे मील का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसंद किताब का शीर्षक आदि) में

रुचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे– केवल चित्रों या चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।

H-111. हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

H-112. स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।

H-113. लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काटे), अक्षर-आकृतियों, स्व-वर्तनी (इनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।

H-114. स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (लेबलिंग) हैं, जैसे– हाथ के बने पंखे का चित्र बनाकर उसके नीचे 'बीजना' (ब्रजभाषा, जो कि बच्चे की घर की भाषा हो सकती है।) लिखना।

कक्षा - 2

बच्चे–

H-201. विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।

H-202. कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/सुनाते हैं।

H-203. देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

H-204. अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनायी जा रही सामग्री, जैसे– कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।

H-205. भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं, जैसे–एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने ....।

H-206. अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/ सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं।

H-207. अपने स्तर और पसंद के अनुसार कहानी, कविता, चित्र, पोस्टर आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।

H-208. चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

H-209. चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।

H-210. परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रुचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे– चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।

H-211. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे– 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं?/ 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन-कौन से अक्षर हैं?

H-212. हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

H-213. स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।

H-214. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काँटे), अक्षर-आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंनशनल राइटिंग) करते हैं।

H-215. सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह-तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं।

H-216. अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।

H-217. अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि आगे बढ़ाते हैं।

कक्षा - 3

बच्चे–

H-301. कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

H-302. कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।

H-303. सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।

H-304. आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।

H-305. कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।

H-306. अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं।

H-307. अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।

H-308. तरह-तरह की कहानियों, कविताओं/रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।

H-309. अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न

पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं।

H-310. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं।

H-311. विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे– दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं।

H-312. विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम- चिह्नों, जैसे– पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।

H-313. अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित/ब्रेल लिपि आदि में) देते हैं।

कक्षा - 4

बच्चे–

H-401. दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते और प्रश्न पूछते हैं।

H-402. सुनी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं।

H-403. कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को अपनी तरह से अपनी भाषा में कहते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।

H-404. भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं।

H-405. विविध प्रकार की सामग्री (जैसे– समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका आदि) में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिंदुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं।

H-406. पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं।

H-407. अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (बाल साहित्य/समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ते हैं।

H-408. अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ ग्रहण करते हैं।

H-409. पढ़ने के प्रति उत्सुक रहते हैं और पुस्तक कोना/पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ते हैं।

H-410. पढ़ी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं।

H-411. स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे- गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली की सराहना करते हैं।

H-412. भाषा की बारीकियों, जैसे– शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम, विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।

H-413. किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए सराहते हैं और शब्दों का उपयुक्त प्रयोग करते हुए लिखते हैं।

H-414. विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगाई जाने वाली सूचना, सामान की सूची, कविता, कहानी, चिट्ठी आदि) के अनुसार लिखते हैं।

H-415. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं।

H-416. अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।

H-417. विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे - पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।

H-418. अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।

कक्षा - 5

बच्चे–

H-501. सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।

H-502. अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।

H-503. भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी (मौखिक) भाषा गढ़ते हैं।

H-504. विविध प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहित्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं, जैसे–'ईदगाह' कहानी पढ़ने के बाद बच्चा कहता है– मैं भी अपनी दादी की खाना बनाने में मदद करता हूँ।

H-505. विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने के लिए) के लिए पढ़ते और लिखते हैं।

H-506. अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं।

H-507. सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते

हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।

H-508. अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं।

H-509. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं, जैसे– किसी घटना की जानकारी के बारे में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना।

H-510. भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसे अपने लेखन/ब्रेल में शामिल करते हैं।

H-511. भाषा की व्याकरणिक इकाइयों (जैसे– कारक-चिह्न, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।

H-512. विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे– पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, उद्धरण चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।

H-513. स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे– गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।

H-514. अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

H-515. उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं।

H-516. पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिंदुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्ति करते हैं।

H-517. अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।

कक्षा - 6

बच्चे–

H-601. विभिन्न प्रकार की ध्वनियों (जैसे– बारिश, हवा, रेल, बस, फेरीवाला आदि) को सुनने के अनुभव, किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक/सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं।

H-602. सुनी, देखी गई बातों, जैसे– स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं और प्रश्न करते हैं।

H-603. देखी, सुनी रचनाओं/घटनाओं/मुद्दों पर बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं, जैसे– किसी कहानी को आगे बढ़ाना।

H-604. रेडियो, टी.वी., अखबार, इंटरनेट में देखी/सुनी गई खबरों को अपने शब्दों में कहते हैं।

H-605. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं, जैसे– आँखों से न देख पाने वाले साथी का यात्रा-अनुभव।

H-606. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में जानते हुए चर्चा करते हैं।

H-607. अपने से भिन्न भाषा, खान-पान, रहन-सहन संबंधी विविधताओं पर बातचीत करते हैं।

H-608. सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी विषयवस्तु का अनुमान लगाते हैं।

H-609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं।

H-610. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं।

H-611. भाषा की बारीकियों/व्यवस्था/ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे– कविता में लय-तुक, वर्ण-आवृत्ति (छंद) तथा कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्ति आदि।

H-612. विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति के साथ पढ़ते हैं।

H-613. हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं।

H-614. नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं।

H-615. विविध कलाओं, जैसे– हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।

H-616. दूसरों के द्वारा अभिव्यक्त अनुभवों को ज़रूरत के अनुसार लिखना, जैसे– सार्वजनिक स्थानों (जैसे– चौराहों, नलों, बस अड्डे आदि) पर सुनी गई बातों को लिखना।

H-617. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर-पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी को लिखित या ब्रेल भाषा में व्यक्त करते हैं।

H-618. विभिन्न विषयों, उद्देश्यों के लिए उपयुक्त विराम-चह्नों का उपयोग करते हुए लिखते हैं।

H-619. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।

H-620. विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरे आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

कक्षा - 7

बच्चे–

H-701. विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।

H-702. किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखक द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।

H-703. किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, /सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।

H-704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं/ परिचर्चा करते हैं।

H-705. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं।

H-706. विविध कलाओं, जैसे– हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं।

H-707. विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों /घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे– बरसात के दिनों में हरा भरा होना? विषय पर चर्चा।

H-708. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे– जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।

H-709. सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं।

H-710. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।

H-711. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

H-712. विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे– वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।

H-713. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे– शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।

H-714. विविध कलाओं, जैसे– हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।

H-715. भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे– किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग-आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल-रेल जैसे प्रयोग।

H-716. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे– अपने गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।

H-717. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।

H-718. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

H-719. विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम-चिह्नों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया विशेषण, शब्द-युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

H-720. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे– जाति,धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में लिखित रूप से तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।

H-721. भित्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।

कक्षा - 8

बच्चे–

H-801. विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे– पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं।

H-802. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।

H-803. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

H-804. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं।

H-805. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक /सांकेतिक भाषा में बताते हैं।

H-806. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे– जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे–अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना।

H-807. किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं, जैसे– अपने आस-पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं– रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती?

H-808. विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।

H-809. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

H-810. विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

H-811. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे– वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।

H-812. विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।

H-813. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे– शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।

H-814. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।

H-815. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं।

H-816. भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे– कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।

H-817. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे– स्कूल के किसी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना या फिर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत।

H-818. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे–विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।

H-819. दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे–सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि।

H-820. विविध कलाओं, जैसे– हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे– कला के बीज बोना, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति।

H-821. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।

H-822. अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे– कविता, कहानी, निबंध आदि।

H-823. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।

अंग्रेज़ी

कक्षा - 1

बच्चे–

E-101. शब्दों को उनसे संबंधित चित्रों के साथ मिलाते हैं।

E-102. परिचित वस्तुओं के चित्र देखकर उनका नाम बताते हैं।

E-103. A – Z तक के वर्णों और उनकी ध्वनियों को पहचानते हैं।

E-104. मुद्रण या ब्रेल में अंग्रेजी भाषा के कैपिटल एवं स्माल वर्णों में अंतर करते हैं।

E-105. Poem/Rhyme को action के साथ सुनाते हैं।

E-106. कविताओं और कहानियों को सुनकर चित्र बनाते हैं।

E-107. कहानियों/कविताओं से संबंधित बोध के प्रश्नों का मौखिक उत्तर किसी भी भाषा में या संकेत भाषा में देते हैं।

E-108. कहानी के पात्रों और घटनाओं के क्रम को पहचानते हैं और उनके बारे में प्रश्न पूछते हैं।

E-109. सामान्य निर्देशों के अनुसार कार्य करते हैं जैसे कि 'Shut the door.', 'Bring me the book.', इत्यादि।

E-110. अंग्रेजी भाषा के शब्दों, अभिवादनों, विनम्र अभिव्यक्तियों, क्रियाओं, सामान्य वाक्यों को सुनकर अंग्रेजी या अपनी भाषा या संकेत भाषा में उत्तर देते हैं।

E-111. निर्देशों को सुनकर चित्र बनाते हैं।

E-112. अपने बारे में/स्थितियों/चित्रों के बारे में अंग्रेजी में बात करते हैं।

E-113. सामान्य सम्मिश्रण के माध्यम से शब्द बनाते हैं, जैसे – 'br' से 'brother', 'fr' से 'frog' इत्यादि।

E-114. सामान्य शब्द जैसे 'fan', 'hen', 'rat' इत्यादि लिखते हैं।

कक्षा - 2

बच्चे–

E-201. गीत या कविताओं को हाव-भाव के साथ गाते/बोलते हैं।

E-202. कहानी तथा कविता से संबंधित बोध प्रश्नों के उत्तर मातृभाषा या अंग्रेजी या संकेत भाषा में मौखिक तथा लिखित वाक्यांश/सरल वाक्य में देते हैं।

E-203. कहानी के पात्रों और घटनाओं के क्रम की पहचान करते हैं।

E-204. अंग्रेजी में या मातृभाषा में मौखिक रूप से अपना मत व्यक्त करते हैं तथा पात्रों, कथानक आदि के बारे में प्रश्न पूछते हैं।

E-205. कविताओं या कहानियों के संदर्भ में चित्र बनाते हैं और इनसे सम्बंधित कुछ शब्द या सरल वाक्य लिखते हैं।

E-206. अंग्रेजी भाषा के शब्दों, अभिवादनों, विनम्र अभिव्यक्तियों, क्रियाओं, सामान्य वाक्यों को सुनकर अंग्रेजी या अपनी भाषा में उत्तर देते हैं जैसे – 'How are you?', 'I am fine, thank you.' आदि।

E-207. आकार, आकृति, रंग, वजन, बनावट को दर्शाने वाले विशेषण जैसे – 'big', 'small', 'round', pink', 'red', 'heavy', light', 'soft' आदि का प्रयोग करते हैं।

E-208. निर्देशों को सुनकर चित्र बनाते हैं।

E-209. शब्दों के बीच दूरी रखते हुए सरल व छोटे वाक्य लिखते हैं।

कक्षा - 3

बच्चे–

E-301. कविताओं को अकेले या समूह में सही उच्चारण एवं स्वर व लय के साथ बोलते हैं।

E-302. कार्यक्रमों जैसे अंग्रेज़ी में रोल-प्ले, लघु-नाटिका आदि में उचित हाव-भाव के साथ प्रदर्शन करते हैं।

E-303. उचित उच्चारण व विराम के साथ सस्वर वाचन करते हैं।

E-304. अंग्रेजी में छोटे पाठ को समझ कर पढ़ते हैं अर्थात् उसका मुख्य भाव, विस्तृत वर्णन और घटनाओं का क्रम समझते हैं तथा अंग्रेजी में निष्कर्ष निकालते हैं।

E-305. कहानी के बारे में अपना अभिमत या समझ मौखिक रूप से अंग्रेजी या मातृभाषा में व्यक्त करते हैं।

E-306. मौखिक संदेशों या दूरभाष पर बातचीत पर उचित प्रतिक्रिया देते हैं।

E-307. श्रुतलेख (dictation) सुनकर शब्द, वाक्यांश या वाक्य लिखते या टाइप करते हैं।

E-308. अंग्रेजी में छोटे व अर्थपूर्ण वाक्यों का प्रयोग मौखिक और लिखित रूप से करते हैं। पिछली कक्षा की तुलना में संज्ञा, सर्वनाम, विश्लेषण तथा संबधबोधक शब्दों को सही संदर्भ में प्रयोग करते हैं।

E-309. 'day'/'night', 'close'/'open' एवं ऐसे अन्य विलोम शब्दों में अंतर करते हैं।

E-310. विराम चिन्ह जैसे प्रश्न चिन्ह, पूर्ण विराम तथा capital letters का सही प्रयोग करते हैं।

E-311. कक्षा की दीवारों पर मुद्रित सामग्री (लिपि) जैसे कविता, पोस्टर, चार्ट आदि पढ़ते हैं।

E-312. शब्दों या चित्रों में दिए गए संकेतों की सहायता से व्यक्तिगत अनुभव या घटनाओं पर अंग्रेज़ी में पाँच-छह वाक्य लिखते हैं।

E-314. कक्षा 3 के अन्य विषयों जैसे गणित, पर्यावरण अध्ययन में प्रयुक्त शब्दावली का प्रयोग करते हैं।

कक्षा - 4

बच्चे–

E-401. कविताओं को उपयुक्त हाव भाव, स्वर एवं लय सहित गाते हैं।

E-402. लघु नाटिकाओं में विभिन्न भूमिकाएँ करते हैं।

E-403. कक्षा/शाला में दिए जाने वाले सरल निर्देशों एवं घोषणाओं पर प्रतिक्रिया देते हैं।

E-404. दिन-प्रतिदिन के अनुभवों, कोई लेख, सुनी या पढ़ी हुई कहानी या कविता पर आधारित प्रश्नों पर अंग्रेज़ी में मौखिक/लिखित प्रतिक्रिया देते हैं।

E-405. घटनाओं, स्थानों, व्यक्तिगत अनुभवों को अंग्रेजी में संक्षेप में मौखिक या लिखित रूप से बताते हैं।

E-406. सरल वर्ग पहेलियों को हल करते हैं एवं शब्द-श्रृंखला बनाते हैं।

E-407. वर्तनी एवं शब्दार्थ ज्ञात करने के लिए शब्दकोश का उपयोग करते हैं।

E-408. सात से आठ वाक्यों के छोटे अनुच्छेद के श्रुतलेख को लिखते/टाइप करते हैं।

E-409. स्वर एवं लय तथा अंतराल सहित सस्वर वाचन करते समय उपयुक्त विराम चिन्हों जैसे प्रश्नवाचक चिन्ह, अल्पविराम एवं पूर्ण विराम का उपयोग करते हैं।

E-410. लिखते समय विराम चिन्हों जैसे प्रश्नवाचक चिन्ह, अल्पविराम, पूर्ण विराम एवं कैपिटल लेटर्स का उपयुक्त उपयोग करते हैं।

E-411. पाठक को ध्यान में रख कर अनौपचारिक पत्र एवं सन्देश लिखते हैं।

E-412. 'first', 'next' आदि linkers का उपयोग शब्दों एवं वाक्यों के मध्य संबंधों को बताने के लिए करते हैं।

E-413. बोलचाल एवं लिखने में nouns, verbs, adjectives एवं prepositions का उपयोग करते हैं।

E-414. कक्षा की दीवारों, सूचना पटल, पोस्टर्स एवं विज्ञापनों की छपी हुई लिपि को पढ़ते हैं।

E-415. किसी परिचित मुद्दे जैसे 'जल-संरक्षण', दिन-प्रतिदिन के अनुभव जैसे 'चिड़ियाघर की सैर', 'मेले की यात्रा' आदि पर संक्षेप में बोलते हैं।

E-416. मौखिक एवं लिखित रूप में दिए गए लिखित पाठ /लघु भाषण/कथन (narration) /वीडियो, फिल्म, पिक्चर, फोटोग्राफ्स आदि को प्रस्तुत करते हैं।

कक्षा - 5

बच्चे–

E-501. दैनिक अनुभवों, अपरिचित कहानियों, सुनी या पढ़ी कविताओं पर आधारित प्रश्नों के अंग्रेजी में उत्तर सुसंगत तरीके से मौखिक/लिखित रूप से देते हैं।

E-502. अंग्रेजी गीत, कविता, खेल, पहेली, कहानी, टंग-टिवस्टर (tongue twister) आदि को गाते/बोलते हैं और परिवार और साथियों से साझा करते हैं।

E-503. खेल के दौरान अंग्रेजी में दिए गए निर्देशों जैसे – 'Hit the ball.', 'Throw the ring.', 'Run to the finish line.', इत्यादि के अनुसार कार्य करते हैं।

E-504. घटनाओं को बताने और प्रश्न बनाने के लिए अर्थपूर्ण व व्याकरण के अनुसार सही वाक्यों का प्रयोग करते हैं।

E-505. संकेतों की सहायता से समानार्थी शब्द जैसे 'big'/'large', 'shut'/'close' इत्यादि व विलोम शब्द जैसे 'inside'/'outside', 'light'/'dark' इत्यादि का सही संदर्भ में प्रयोग करते हैं।

E-506. पाठ्यांश को समझकर पढ़ते हैं, उसका विवरण देते हैं व घटनाओं का क्रम बताते हैं।

E-507. पढ़ने और बातचीत करने से उपजे विचारों को अपने अनुभवों से जोड़ते हैं।

E-508. श्रुतलेख लेकर सूची (list) बनाते हैं, अनुच्छेद (paragraph) व संवाद (डायलॉग) आदि लिखते हैं।

E-509. संदर्भ हेतु शब्द-कोष (डिक्शनरी) का प्रयोग करते हैं।

E-510. संज्ञा, क्रिया-विशेषण के प्रकार पहचानते हैं, भूतकाल (simple past) व वर्तमान काल (simple present) की क्रियाओं (verbs) में भेद करते हैं।

E-511. शब्दों या चित्रों में दिए गए संकेतों की सहायता से सही विराम चिन्हों व जोड़ने वाले शब्द (linkers) का प्रयोग करते हुए अंग्रेजी में अनुच्छेद लिखते हैं।

E-512. छोटी जीवनी और आत्मकथा लिखते हैं।

E-513. अनौपचारिक पत्र, संदेश व ई-मेल लिखते हैं।

E-514. आस-पास की मुद्रित (छपी) सामग्री (विज्ञापन, निर्देश, स्थानों के नाम आदि) पढ़ते व समझते हैं और उनपर आधारित प्रश्नों के उत्तर देते हैं।

E-515. सृजनात्मक रूप से कहानियाँ, कविताएँ, पोस्टर आदि लिखने का प्रयत्न करते हैं।

E-516. दैनिक जीवन में, कथाओं में पढ़ी, विवरणों में सुनी या वीडियो, फिल्म आदि में देखी बातों के आधार पर भोजन, वस्त्र, प्रथाओं (रीति-रिवाजों) त्योहारों की विभिन्नताओं का महत्त्व मौखिक या लिखित रूप से बताते हैं।

कक्षा - 6

बच्चे–

E-601. अंग्रेजी में होने वाली गतिविधियों जैसे रोल प्ले, समूह चर्चा एवं वाद विवाद आदि में भाग लेते हैं।

E-602. कविता, गीत, चुटकुले, पहेली, tongue twister आदि बोलते/गाते हैं एवं साझा करते हैं।

E-603. दूरभाष पर हुई बातचीत एवं मौखिक संदेशों का अंग्रेजी में जवाब देते हैं एवं उनको अंग्रेजी या घर की भाषा में बताते हैं।

E-604. कक्षा, प्रार्थना सभा के दौरान, रेलवे स्टेशन या किसी अन्य सार्वजनिक स्थल पर होने वाली उद्घोषणाओं एवं निर्देशों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं।

E-605. अंग्रेजी/ब्रेल में विविध पाठ्य सामग्री पढ़ते हैं, मुख्य विचारों, चरित्रों, विचारों एवं घटनाओं के क्रम को पहचानते हैं और उन्हें अपने निजी अनुभव से जोड़ते हैं।

E-606. सूचना पटल, समाचारपत्र, इन्टरनेट, तालिका, चार्ट, चित्र एवं नक़्शे आदि को पढ़कर सूचना प्राप्त करते हैं।

E-607. मौखिक एवं लिखित रूप में परिचित एवं अपरिचित पाठ्यवस्तु पर विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के जवाब देते हैं।

E-608. समानार्थी एवं विलोम शब्दों का समुचित उपयोग करते हैं एवं विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को पढ़ते समय संकेतों का उपयोग कर शब्दार्थ निकालते हैं।

E-609. शिक्षक द्वारा श्रुतलेख देने पर शब्द, वाक्यांश, सरल वाक्य एवं छोटे अनुच्छेद लिखते हैं।

E-610. बोलने एवं लिखने में वास्तविक/काल्पनिक स्थितियों को सार्थक वाक्यों में बताते हैं।

E-611. शब्दार्थ और वर्तनी देखने के लिए शब्दकोष देखते हैं एवं जानकारी के लिए बताई गई वेबसाइटस को देखते हैं।

E-612. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया ,क्रिया-विशेषण एवं determiners आदि का उपयोग करते हुए विभिन्न प्रकार की स्थितियों के लिए, व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य लिखते हैं।

E-613. मौखिक, मुद्रित एवं दृश्य संकेतों के आधार पर लघु अनुच्छेद तैयार करते हैं, संशोधित करते हैं एवं लिखते हैं।

E-614. अंग्रेजी/ब्रेल में प्रारंभ, मध्य एवं अंत का ध्यान रखते हुए सुसंगत रूप से लिखते हैं।

E-615. पाठक का ध्यान रखते हुए सन्देश, आमंत्रण, लघु अनुच्छेद एवं पत्र (औपचारिक एवं अनौपचारिक) लिखते हैं।

कक्षा - 7

बच्चे–

E-701. विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु पर प्रश्नों के उत्तर मौखिक व लिखित रूप से देते हैं।

E-702. समुचित विराम, स्वर-शैली (intonation) और उच्चारण के साथ कहानियों और कविताओं का सस्वर वाचन करते हैं।

E-703. स्कूल या अन्य संस्थाओं में अंग्रेजी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों जैसे रोलप्ले, कविता पाठ, लघु नाटिका, नाटक, वाद-विवाद, भाषण आदि में भाग लेते हैं।

E-704. अंग्रेजी की उपयुक्त शब्दावली का प्रयोग करते हुए परिवार, मित्रों और विभिन्न व्यवसायों के लोगों जैसे दुकानदार, सेल्समैन आदि के साथ हुए बातचीत करते हैं।

E-705. विभिन्न सन्दर्भ जैसे विद्यालय, बैंक, रेलवे स्टेशन आदि में दिए गए निर्देशों, आदेशों, दिशा-निर्देशों पर उचित प्रतिक्रिया देते हैं।

E-706. दूरदर्शन, रेडियो, वेबसाइट पर सुने/देखे गए कार्यक्रमों के बारे में बोलते हैं।

E-707. किताबों और अन्य संसाधनों में छपी सामग्री पर जिज्ञासावश प्रश्न पूछते हैं और प्रतिक्रिया देते हैं।

E-708. पाठ्य सामग्री और पाठ्येत्तर सामग्री को अंग्रेजी/ब्रेल में समझ कर पढ़ते हैं।

E-709. पाठ्य सामग्री और पाठ्येत्तर सामग्री में दिए विवरण, पात्र, मुख्य विचार, विचारों और घटनाओं के क्रम को पहचानते हैं।

E-710. समालोचनात्मक रूप से सोचते हैं, चरित्रों, घटनाओं, विचारों, विषयों/विषयवस्तुओं की तुलना करते हैं, उनमें अंतर करते हैं और उन्हें जीवन से जोड़ते हैं।

E-711. मुद्रित/ऑनलाइन सामग्री, नोटिस-बोर्ड, सार्वजनिक स्थानों पर सूचना-पटल, समाचार-पत्रों, होर्डिंग्स आदि को पढ़कर सूचना/ज्ञान प्राप्त करते हैं।

E-712. शिक्षक के पढ़ाने के दौरान, किताबों से, ऑनलाइन सामग्री से नोट्स बनाते हैं।

E-713. अज्ञात/अपरिचित शब्दों के अर्थ संदर्भ में पढ़कर निकालते हैं।

E-714. पढ़ने और लिखने के दौरान शब्दों के अर्थ और स्पेलिंग ढूँढने के लिये शब्दकोश, thesaurus और विश्वकोष (encyclopedia) की सहायता लेते हैं।

E-715. आनंद के लिये विविध पाठ्य सामग्री जैसे साहसिक कहानियाँ, विज्ञान संबंधी कहानियाँ, परी कथा, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा विवरण आदि को पढ़ते हैं।

E-716. अंग्रेजी में सम्प्रेषण के दौरान सही व्याकरण जैसे संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, determiners, समय और काल, passivisation, विशेषण, क्रिया-विशेषण आदि का प्रयोग करते हैं।

E-717. अपने श्रोता, पाठक या दर्शकों को ध्यान में रखते हुए तथा शाब्दिक व अशाब्दिक संकेतों का उपयोग करते हुए अंग्रेजी और ब्रेल में स्पष्ट वाक्यों का प्रयोग करते हैं।

E-718. लैंगिक समानता, सांस्कृतिक विविधता और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता प्रकट करने वाले विवरण और वृतान्त लिखते हैं।

E-719. कहानी से संवाद और संवाद से कहानी लिखते हैं।

कक्षा - 8

बच्चे–

E-801. विद्यालय और सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे स्टेशन, बाजार, हवाई-अड्डा, सिनेमाहॉल, आदि पर होने वाले निर्देशों और घोषणाओं पर प्रतिक्रिया देते हैं और तदनुसार कार्य करते हैं।

E-802. अतिथियों का अंग्रेजी में परिचय देते हैं तथा लोगों के कार्य/व्यवसाय पर आधारित प्रश्न पूछकर उनका साक्षात्कार लेते हैं।

E-803. भिन्न-भिन्न व्यवसाय/पेशे के लोगों जैसे बैंक स्टाफ़, रेलवे स्टाफ़ इत्यादि से उपयुक्त शब्दावली का प्रयोग करते हुए अंग्रेजी में बातचीत करते हैं।

E-804. 'May I borrow your book?', 'I would like to differ.' जैसे वाक्यों को बोलने के लिये विनम्र भाषा (formulaic/polite expression) का प्रयोग करते हैं।

E-805. प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में संक्षिप्त भाषण तैयार करके बोलते हैं।

E-806. कक्षा, विद्यालय और बाहर के परिवेश में वस्तुओं और कार्यक्रमों के बारे में बताते हैं।

E-807. भाषा सीखने के लिये व्याकरण संबंधी खेलों और गतिबोधक क्रियाकलापों में भाग लेते हैं।

E-808. उद्धरण, संवाद, कविता, खेल कमेन्ट्री, भाषण, समाचार, टीवी और रेडियो पर वाद-विवाद को देखते, सुनते, पढ़ते हैं और उनके बारे में अपना मत प्रकट करते हैं।

E-809. विभिन्न सन्दर्भ और परिस्थितियों में (जैसे – पाठ सामग्री पर, पाठ्येत्तर सामग्री पर, जिज्ञासावश, बातचीत के दौरान) उपयुक्त शब्दावली और सही वाक्यों का प्रयोग करते हुए प्रश्न पूछते हैं।

E-810. स्कूल या अन्य संस्थाओं में अंग्रेजी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों जैसे रोलप्ले, कविता पाठ, लघु नाटिका, नाटक, वाद-विवाद, वक्तव्य कला, भाषण, प्रश्नोत्तरी आदि में भाग लेते हैं।

E-811. कहानियों और वास्तविक जीवन के अनुभवों को अंग्रेजी में सुनाते हैं।

E-812. कहावतों, लोकोक्तियों और मुहावरों को समझकर पढ़ते हैं।

E-813. अंग्रेजी/ब्रेल में पाठ्य सामग्री और पाठ्येत्तर सामग्री को समझकर पढ़ते हैं।

E-814. पाठ्य सामग्री और पाठ्येत्तर सामग्री में दिए विवरण, पात्र, मुख्य विचार, विचारों और घटनाओं के क्रम को पहचानते हैं।

E-815. समालोचनात्मक रूप से सोचते हैं, विचारों, विषयों/विषयवस्तुओं की तुलना करते हैं, उनमें अंतर करते हैं और उन्हें जीवन से जोड़ते हैं।

E-816. अपरिचित/अज्ञात शब्दों को संदर्भ में पढ़ते हुए अर्थ निकालते हैं।

E-817. आनंद के लिये विविध पाठ्य सामग्री जैसे साहसिक कहानियाँ, विज्ञान संबंधी कहानियाँ, परी कथा, लेख, वृतांत, यात्रा विवरण, जीवनी, आत्मकथा, आदि को पढ़ते हैं।

E-818. पढ़ने और लिखने के दौरान शब्दों के अर्थ और स्पेलिंग ढूँढने के लिये शब्दकोश, thesaurus और विश्वकोष (encyclopedia) की सहायता लेते हैं।

E-819. मुद्रित/ऑनलाइन सामग्री, नोटिस-बोर्ड, समाचार-पत्रों से सूचना/ज्ञान प्राप्त करके आलेख (write-up) तैयार करते हैं।

E-820. अंग्रेजी में सम्प्रेषण के दौरान सही व्याकरण जैसे उपवाक्य (clauses), विशेषणों की तुलना, समय और काल, passivisation, reported speech आदि का प्रयोग करते हैं।

E-821. Drafting (मसौदा), revising (संशोधन), editing (संपादन), और finalising (अंतिम रूप देने) की प्रक्रिया द्वारा एक सुसंगत और अर्थपूर्ण अनुच्छेद (paragraph) लिखते हैं।

E-822. सही प्रारम्भ, मध्य और अंत के साथ, उचित विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए अंग्रेजी/ब्रेल में सुसंगतपूर्ण ढंग से छोटे अनुच्छेद लिखते हैं।

E-823. पाठ्य सामग्री और पाठ्येत्तर सामग्री पर आधारित प्रश्नों के उत्तर समझकर और निष्कर्ष निकाल कर लिखते हैं, चरित्र चित्रण करते हैं और extrapolative writing का प्रयोग करते हैं।

E-824. ईमेल, सन्देश, सूचना, औपचारिक पत्र, वर्णन/वृतान्त, व्यक्तिगत डायरी, रिपोर्ट, संक्षिप्त व्यक्तिगत अनुभव आदि लिखते हैं।

E-825. कहानी से संवाद और संवाद से कहानी लिखते हैं।

गणित

कक्षा - 1

बच्चे–

M-101. विभिन्न वस्तुओं को भौतिक विशेषताओं, जैसे – आकृति, आकार तथा अन्य अवलोकनीय गुणों, जैसे – लुढ़कना, खिसकना के आधार पर समूहों में वर्गीकृत करते हैं।

M-102. 1 से 20 तक की संख्याओं पर कार्य करते हैं।

- 1 से 9 तक की संख्याओं का उपयोग करते हुए वस्तुओं को गिनते हैं।
- 20 तक की संख्याओं को मूर्त रूप से, चित्रों और प्रतीकों द्वारा बोलकर गिनते हैं।
- 20 तक संख्याओं की तुलना करते हैं, जैसे – यह बता पाते हैं कि कक्षा में लड़कियों की संख्या या लड़कों की संख्या ज़्यादा है।

M-103. दैनिक जीवन में 1 से 20 तक संख्याओं का उपयोग जोड़ (योग) व घटाने में करते हैं।

- मूर्त वस्तुओं की मदद से 9 तक की संख्याओं के जोड़ तथ्य बनाते हैं। उदाहरण के लिए 3+3 निकालने के लिए 3 के आगे 3 गिनकर यह निष्कर्ष निकालते हैं कि 3+3=6
- 1 से 9 तक संख्याओं का प्रयोग करते हुए घटाने की क्रिया करते हैं, जैसे – 9 वस्तुओं के एक समूह में से 3 वस्तुएँ निकालकर शेष वस्तुओं को गिनते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं कि 9–3 = 6
- 9 तक की संख्याओं का प्रयोग करते हुए दिन प्रतिदिन में उपयोग होने वाले जोड़ तथा घटाव के प्रश्नों को हल करते हैं।

M-104. 99 तक की संख्याओं को पहचानते हैं एवं संख्याओं को लिखते हैं।

M-105. विभिन्न वस्तुओं/आकृतियों के भौतिक गुणों का अपनी भाषा में वर्णन करते हैं, जैसे – एक गेंद लुढ़कती है, एक बाक्स खिसकता है, आदि।

M-106. छोटी लंबाइयों का अनुमान लगाते हैं, अमानक इकाइयों, जैसे – उँगली, बित्ता, भुजा, कदम आदि की सहायता से मापते हैं।

M-107. आकृतियों तथा संख्याओं के पैटर्न का अवलोकन, विस्तार तथा निर्माण करते हैं। उदाहरण के लिए – आकृतियों/वस्तुओं/संख्याओं की व्यवस्था, जैसे –

△ □ □ △ □ □

1, 2, 3, 4, 5, ...

1, 3, 5, ...

2, 4, 6, ...

1, 2, 3, 1, 2, ... , 1, ... , 3, ...

M-108. आकृतियों/संख्याओं का प्रयोग करते हुए किसी चित्र के संबंध में सामान्य सूचनाओं का संकलन करते हैं, लिखते हैं तथा उनका अर्थ बताते हैं। (जैसे किसी बाग के चित्र को देखकर विद्यार्थी विभिन्न फूलों को देखते हुए यह नतीजा निकालते हैं कि एक विशेष रंग के पुष्प अधिक हैं।)

M-109. शून्य की अवधारणा को समझते हैं।

कक्षा - 2

बच्चे–

M-201. दो अंकों की संख्या के साथ कार्य करते हैं।

- 99 तक की संख्याओं को पढ़ते तथा लिखते हैं।
- दो अंकों की संख्याओं को लिखने एवं तुलना करने में स्थानीयमान का उपयोग करते हैं।
- अंकों की पुनरावृत्ति के साथ और उसके बिना दो अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या को बनाते हैं।
- दो अंकों की संख्याओं के जोड़ पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करते हैं।
- दो अंकों की संख्याओं को घटाने पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करते हैं।

- 3-4 नोट तथा सिक्कों (समान/असमान मूल्यवर्ग के) का प्रयोग करते हुए ` 100 तक की मान वाली खेल मुद्रा को दर्शाते हैं।

M-202. मूलभूत 3D (त्रिविमीय) तथा 2D (द्विआयामी) आकृतियों की उनकी विशेषताओं के साथ चर्चा करते हैं।

- 3D (त्रिविमीय) आकृतियों, जैसे – घनाभ, बेलन, शंकु, गोला आदि को उनके नाम से पहचानते हैं।
- सीधी रेखा एवं घुमावदार रेखा के बीच अंतर करते हैं।
- सीधी रेखा का खड़ी, पड़ी, तिरछी रेखा के रूप में प्रदर्शन करते हैं।

M-203. लंबाइयों/दूरियों तथा बर्तनों की धारिता का अनुमान लगाते हैं तथा मापन के लिए एकसमान परंतु अमानक इकाइयों, जैसे – छड़/पेंसिल, कप/ चम्मच/ बाल्टी इत्यादि का प्रयोग करते हैं।

M-204. सामान्य तुला का प्रयोग करते हुए वस्तुओं की 'से भारी'/'से हल्की' शब्दों का उपयोग करते हुए तुलना करते हैं।

M-205. सप्ताह के दिनों तथा वर्ष के माह को पहचानते हैं।

M-206. विभिन्न घटनाओं को घटित होने के समय (घंटों/दिनों) के अनुसार क्रम से दिखाते हैं, जैसे – क्या कोई बच्चा घर की तुलना में स्कूल में ज़्यादा समय तक रहता है?

M-207. संकलित आँकड़ों से निष्कर्ष निकालते हैं, जैसे – 'समीर के घर में उपयोग में आने वाले वाहनों की संख्या एंजिलीना के घर में उपयोग किए जाने वाली वाहनों की तुलना में अधिक है'।

कक्षा - 3

बच्चे–

M-301. तीन अंकों की संख्या के साथ कार्य करते हैं।

- स्थानीय मान की मदद से 999 तक की संख्याओं को पढ़ते तथा लिखते हैं।
- स्थानीय मान के आधार पर 999 तक की संख्याओं के मानों की तुलना करते हैं।

- दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने में 3 अंकों की संख्याओं का जोड़ तथा घटा करते हैं (दोबारा समूह बनाकर या बिना बनाएँ) (जोड़ का मान 999 से अधिक न हो)।
- 2, 3, 4, 5 तथा 10 के गुणन तथ्य बनाते हैं तथा दैनिक जीवन की परिस्थितियों में उनका उपयोग करते हैं।
- विभिन्न दैनिक परिस्थितियों का आकलन कर उचित संक्रियाओं का उपयोग करते हैं।
- भाग के तथ्यों को बराबर समूह में बाँटने और बारंबार घटाने की प्रक्रिया के रूप में समझते हैं। उदाहरण के लिए 12 ÷ 3 में 12 को 3-3 के समूह में बाँटने पर कुल समूहों की संख्या 4 होती है अथवा 12 में से 3 को बारंबार घटाने की प्रक्रिया जो कि 4 बार में संपन्न होती है।

M-302. छोटी राशियों को समूह अथवा बिना समूह के जोड़ते तथा घटाते हैं।

M-303. मूल्य सूची तथा सामान्य बिल बनाते हैं।

M-304. द्वि-आयामी आकृतियों की समझ अर्जित करते हैं।

- कागज़ को मोड़कर, डॉट ग्रिड पर, पेपर कटिंग द्वारा बनी तथा सरल रेखा से बनी द्वि-आयामी आकृतियों को पहचानते हैं।
- द्वि-आयामी आकृतियों का वर्णन भुजाओं की संख्या, कोनों की संख्या (शीर्ष) तथा विकर्णों की संख्या के आधार पर करते हैं, जैसे
- किताब के कवर की आकृति में 4 भुजा, 4 कोने तथा 2 विकर्ण होते हैं।
- दिए गए क्षेत्र को एक आकृति के टाइल की सहायता से बिना कोई स्थान छोड़े भरते हैं।

M-305. मानक इकाइयों, जैसे – सेंटीमीटर, मीटर का उपयोग कर लंबाइयों तथा दूरियों का अनुमान एवं मापन करते हैं। इसके साथ ही इकाइयों में संबंध की पहचान करते हैं।

M-306. मानक इकाइयों ग्राम, किलोग्राम तथा साधारण तुला के उपयोग से वस्तुओं का भार मापते हैं।

M-307. अमानक इकाइयों का प्रयोग कर विभिन्न बर्तनों की धारिता की तुलना करते हैं।

M-308. दैनिक जीवन की स्थितियों में ग्राम, किलोग्राम मापों को जोड़ते और घटाते हैं।

M-309. कैलेंडर पर एक विशेष दिन तथा तारीख को पहचानाते हैं।

M-310. घड़ी का उपयोग करते हुए घंटे तक समय पढ़ते हैं।

M-311. सरल आकृतियों तथा संख्याओं के पैटर्न का विस्तार करते हैं।

M-312. टेली चिह्न का प्रयोग करते हुए आँकड़ों का अभिलेखन करते हैं तथा उनको चित्रालेख के रूप में प्रस्तुति कर निष्कर्ष निकालते हैं।

कक्षा - 4

बच्चे–

M-401. संख्याओं की संक्रियाओं का उपयोग दैनिक जीवन में करते हैं।

- 2 तथा 3 अंकों की संख्याओं को गुणा करते हैं।
- एक संख्या से दूसरी संख्या को विभिन्न तरीकों से भाग देते हैं, जैसे – चित्रों द्वारा (बिंदुओं का आलेखन कर), बराबर बाँटकर, बार-बार घटाकर, भाग तथा गुणा के अंतर्संबंधों का उपयोग करके।
- दैनिक जीवन से के संदर्भ में मुद्रा, लंबाई, भार, धारिता से संबंधित चार संक्रियाओं पर आधारित प्रश्न बनाते हैं तथा हल करते हैं।

M-402. भिन्नों पर कार्य करते हैं –

- एक दिए गए चित्र अथवा वस्तुओं के समूह में से आधा, एक चौथाई, तीन चौथाई भाग को पहचानते हैं।
- संख्याओं/संख्यांकों की मदद से भिन्नों को आधा, एक चौथाई तथा तीन चौथाई के रूप में प्रदर्शित करतेहैं।
- किसी भिन्न की अन्य भिन्न से तुल्यता दिखाते हैं।

M-403. अपने परिवेश से विभिन्न आकृतियों के बारे में समझ अर्जित करते हैं।

- वृत्त के केंद्र, त्रिज्या तथा व्यास को पहचानते हैं।
- उन आकृतियों को खोजते हैं जिनका उपयोग टाइल लगाने में किया जा सकता है।

- दिए गए जाल (नेट) की मदद से घन/घनाभ बनाते हैं।
- कागज़ मोड़कर/काटकर, स्याही के धब्बों द्वारा, परावर्तन सममिति प्रदर्शित करते हैं।
- सरल वस्तुओं के शीर्ष दृश्य (Top View), सम्मुख दृश्य (Front View), साइड दृश्य (Side View) आदि का चित्रांकन करते हैं।

M-404. सरल ज्यामितीय आकृतियों (त्रिभुज, आयत, वर्ग) का क्षेत्रफल तथा परिमाप एक दी हुई आकृति को इकाई मानकर ज्ञात करते हैं, जैसे – किसी टेबल की ऊपरी सतह को भरने के लिए एक जैसी कितनी किताबों की आवश्यकता पड़ेगी।

M-405. मीटर को सेंटीमीटर एवं सेंटीमीटर को मीटर में बदलते हैं।

M-406. किसी वस्तु की लंबाई, दो स्थानों के बीच की दूरी, विभिन्न वस्तुओं के भार, द्रव का आयतन आदि का अनुमान लगाते हैं तथा वास्तविक माप द्वारा उसकी पुष्टि करते हैं।

M-407. दैनिक जीवन में लंबाई, दूरी, वज़न, आयतन तथा समय से संबंधित प्रश्नों को चार मूलभूत गणितीय संक्रियायों का उपयोग कर हल करते हैं।

M-408. घड़ी के समय को घंटे तथा मिनट में पढ़ सकते हैं तथा उन्हें a.m. और p.m. के रूप में व्यक्त करते हैं।

M-409. 24 घंटे की घड़ी को 12 घंटे की घड़ी से संबंधित करते हैं।

M-410. दैनिक जीवन की घटनाओं में लगने वाले समय अंतराल की गणना, आगे/पीछे गिनकर अथवा जोड़ने/घटाने के माध्यम से करते हैं।

M-411. गुणा तथा भाग में पैटर्न की पहचान कर सकते हैं। (9 के गुणज तक)

M-412. सममिति (Symmetry) पर आधारित ज्यामिति पैटर्न का अवलोकन, पहचान कर उनका विस्तार करते हैं।

M-413. इकट्ठा की गई जानकारी को सारणी, दंड आलेख के माध्यम से प्रदर्शित कर उनसे निष्कर्ष निकालते हैं।

कक्षा - 5

बच्चे–

M-501. बड़ी संख्याओं पर कार्य करते हैं।

- परिवेश में उपयोग की जाने वाली 1000 से बड़ी संख्याओं को पढ़ते तथा लिखते हैं।

- 1000 से बड़ी संख्याओं पर, स्थानीय मान को समझते हुए चार मूल संक्रियाएँ करते हैं।
- मानक एल्गोरिदम द्वारा एक संख्या से दूसरी संख्या को भाग देते हैं।
- जोड़, घटाव, गुणन तथा भागफल का अनुमान लगाते हैं तथा विभिन्न तरीकों का प्रयोग कर उनकी पुष्टि करते हैं, जैसे – मानक एल्गोरिदम का प्रयोग कर या किसी दी हुई संख्या को अन्य संख्याओं के जोड़ तथ्य के रूप में लिखकर संक्रिया का उपयोग करना। उदाहरण के लिए– 9450 को 25 से भाग देने हेतु 9000 को 25 से, 400 को 25 से तथा अंत में 50 को 25 से भाग देकर जितने भी भागफल प्राप्त हों उन सभी को जोड़कर उत्तर प्राप्त करते हैं।

M-502. भिन्न के बारे में समझ अर्जित करते हैं।

- समूह के हिस्से के लिए भिन्न संख्या बनाते हैं।
- एक दिए गए भिन्न के समतुल्य भिन्न की पहचान कर सकते हैं तथा समतुल्य भिन्न बनाते हैं।
- दिए गए भिन्नों 1/2, 1/4, 1/5 को दशमलव भिन्न में तथा दशमलव भिन्न को भिन्न रूप में लिखते हैं, जैसे –लंबाई और मुद्रा की इकाइयों का उपयोग- `10 का आधा ` 5 होगा।
- भिन्न को दशमलव संख्या तथा दशमलव संख्या को भिन्न में लिखते हैं।

M-503. कोणों तथा आकृतियों की अवधारणा की खोजबीन करते हैं।

- कोणों को समकोण, न्यून कोण, अधिक कोण में वर्गीकृत करते हैं, उन्हें बना सकते हैं व खाका खींचते (ट्रेस) हैं।
- अपने परिवेश में उन 2D आकृतियों को पहचानते हैं जिसमें घूर्णन तथा परावर्तन सममितता हो, जैसे – अक्षर तथा आकृति।
- नेट का प्रयोग करते हुए घन, बेलन, शंकु बनाते हैं।

M-504. सामान्यतः प्रयोग होने वाली लंबाई, भार, आयतन की बड़ी तथा छोटी इकाइयों में संबंध स्थापित करते हैं तथा बड़ी इकाइयों को छोटी व छोटी इकाइयों को बड़ी इकाई में बदलते हैं।

M-505. ज्ञात इकाइयों में किसी ठोस वस्तु का आयतन ज्ञात करते हैं, जैसे – एक बाल्टी का आयतन जग के आयतन का 20 गुना है।

M-506. पैसा, लंबाई, भार, आयतन तथा समय अंतराल से संबंधित प्रश्नों में चार मूल गणितीय संक्रियाओं का उपयोग करते हैं।

M-507. त्रिभुजीय संख्याओं तथा वर्ग संख्याओं के पैटर्न पहचानते हैं।

M-508. दैनिक जीवन से संबंधित विभिन्न आँकड़ों को एकत्र करते हैं तथा सारणीबद्ध कर सकते हैं एवं दंड आलेख खींचकर उनकी व्याख्या करते हैं।

कक्षा - 6

बच्चे–

M-601. बड़ी संख्याओं से संबंधित समस्याओं को उचित संक्रियाओं (जोड़, घटा, गुणन, भाग) के प्रयोग द्वारा हल करते हैं।

M-602. पैटर्न के आधार पर संख्याओं को सम, विषम, अभाज्य संख्या, सह अभाज्य संख्या आदि के रूप में वर्गीकरण कर पहचानते हैं।

M-603. विशेष स्थिति में महत्तम समापवर्तक या लघुत्तम समापवर्त्य का उपयोग करते हैं।

M-604. पूर्णांकों के जोड़ तथा घटा से संबंधित समस्याओं को हल करते हैं।

M-605. पैसा, लंबाई, तापमान आदि से संबंधित स्थितियों में भिन्न तथा दशमलव का प्रयोग करते हैं, जैसे – 7½ मीटर कपड़ा, दो स्थानों के बीच दूरी 112.5 किलोमीटर आदि।

M-606. दैनिक जीवन की समस्याओं, जिनमें भिन्न तथा दशमलव का जोड़/घटा हो, को हल करते हैं।

M-607. किसी स्थिति के सामान्यीकरण हेतु चर राशि का विभिन्न संक्रियाओं के साथ प्रयोग करते हैं, जैसे – किसी आयत का परिमाप जिसकी भुजाएँ x इकाई तथा 3 इकाई हैं, 2(x+3)़ इकाई होगा।

M-608. अलग-अलग स्थितियों में अनुपात का प्रयोग कर विभिन्न राशियों की तुलना करते हैं, जैसे – किसी विशेष कक्षा में लड़कियों एवं लड़कों का अनुपात 3: 2 है।

M-609. ऐकक विधि का प्रयोग विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए करते हैं, जैसे – यदि 1 दर्जन कॉपियों की कीमत दी गई हो तो 7 कॉपियों की कीमत ज्ञात करने हेतु पहले 1 कॉपी की कीमत ज्ञात करते हैं।

M-610. ज्यामितीय अवधारणाओं, जैसे – रेखा, रेखाखंड, खुली एवं बंद आकृतियों, कोण, त्रिभुज, चतुर्भुज, वृत्त आदि का अपने परिवेश के उदाहरणों द्वारा वर्णन करते हैं।

M-611. कोणों की समझ को निम्नानुसार व्यक्त करते हैं –

- अपने परिवेश में कोणों के उदाहरण की पहचान करते हैं।
- कोणों को उनके माप के आधार पर वर्गीकृत करते हैं।
- 45°, 90°, 180° को संदर्भ कोण के रूप में लेकर अन्य कोणों के माप का अनुमान लगाते हैं।

M-612. रैखिक सममिति के बारे में अपनी समझ निम्नानुसार व्यक्त करते हैं –

- द्वि-आयामी (2D) आकृतियों में, वह सममित आकृतियाँ पहचानते हैं जिनमें एक या अधिक सममित रेखाएँ हैं।
- सममित द्वि-आयामी (2D) आकृतियों की रचना करते हैं।

M-613. त्रिभुजों को उनके कोण तथा भुजाओं के आधार पर वर्गीकृत करते हैं, जैसे – भुजाओं के आधार पर विषमबाहु त्रिभुज, समद्विबाहु त्रिभुज, समबाहु त्रिभुज आदि।

M-614. चतुर्भुजों को उनके कोण तथा भुजाओं के आधार पर विभिन्न समूहों में वर्गीकृत करते हैं।

M-615. अपने परिवेश में स्थित विभिन्न 3D वस्तुओं की पहचान करते हैं, जैसे – गोला, घन, घनाभ, बेलन, शंकु आदि।

M-616. 3D वस्तुओं/आकृतियों के किनारे, शीर्ष, फलक का वर्णन कर उदाहरण देते हैं।

M-617. आयताकार वस्तुओं का परिमाप तथा क्षेत्रफल ज्ञात करते हैं, जैसे – कक्षा का फ़र्श, चॉक के डिब्बे की ऊपरी सतह का परिमाप तथा क्षेत्रफल।

M-618. दी गई/ संकलित की गई सूचना को सारणी, चित्रालेख, दंड आलेख के रूप में प्रदर्शित कर व्यवस्थित करते हैं और उसकी व्याख्या करते हैं, जैसे – विगत छह माह में किसी परिवार के विभिन्न सामग्रियों पर हुए खर्च को।

कक्षा - 7

बच्चे–

M-701. दो पूर्णांकों का गुणन/भाग करते हैं।

M-702. भिन्नों के भाग तथा गुणन की व्याख्या करते हैं। उदाहरण के लिए $\frac{2}{3}\times\frac{4}{5}$ की व्याख्या $\frac{2}{3}$ का $\frac{4}{5}$ के रूप में करते हैं। इसी प्रकार $\frac{1}{2}\times\frac{1}{4}$ की व्याख्या इस रूप में करते हैं कि कितने $\frac{1}{4}$ मिलकर $\frac{1}{2}$ बनाते हैं?

M-703. परिमेय संख्या से संबंधित दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करते हैं।

M-704. दैनिक जीवन से संबंधित समस्याओं, जिनमें परिमेय संख्या भी शामिल हैं, को हल करते हैं।

M-705. बड़ी संख्याओं के गुणन तथा भाग को सरल करने हेतु संख्याओं के घातांक रूप का प्रयोग करते हैं।

M-706. दैनिक जीवन की समस्याओं को सरल समीकरण के रूप में प्रदर्शित करते हैं तथा हल करते हैं।

M-707. बीजीय व्यंजकों का योग तथा अंतर ज्ञात करते हैं।

M-708. उन राशियों को पहचानते हैं जो समानुपात में हैं, जैसे – विद्यार्थी यह बता सकते हैं कि 15, 45, 40, 120 समानुपात में हैं, क्योंकि $\frac{15}{45}$ का मान $\frac{40}{120}$ के बराबर है।

M-709. प्रतिशत को भिन्न तथा दशमलव में एवं भिन्न तथा दशमलव को प्रतिशत में रूपांतरित करते हैं।

M-710. लाभ/हानि प्रतिशत तथा साधारण ब्याज में दर प्रतिशत की गणना करते हैं।

M-711. कोणों के जोड़े को रेखीय, पूरक, संपूरक, आसन्न कोण, शीर्षाभिमुख कोण के रूप में वर्गीकृत करते हैं तथा एक कोण का मान ज्ञात होने पर दूसरे कोण का ज्ञात करते हैं।

M-712. तिर्यक रेखा द्वारा दो रेखाओं को काटने से बने कोणों के जोड़े के गुणधर्म का सत्यापन करते हैं।

M-713. यदि त्रिभुज के दो कोण ज्ञात हो तो तीसरे अज्ञात कोण का मान ज्ञात करते हैं।

M-714. त्रिभुजों के बारे में दी गई सूचना, जैसे – SSS, SAS, ASA, RHS के आधार पर त्रिभुजों की सर्वांगसमता की व्याख्या करते हैं।

M-715. पैमाना (स्केल) तथा परकार की सहायता से एक रेखा के बाहर स्थित बिंदु से रेखा के समांतर एक अन्य रेखा खींचते हैं।

M-716. एक बंद आकृति के अनुमानित क्षेत्रफल की गणना इकाई वर्ग ग्रिड/ ग्राफ़ पेपर के द्वारा करते हैं।

M-717. आयत तथा वर्ग द्वारा घिरे क्षेत्र के क्षेत्रफल की गणना करते हैं।

M-718. दैनिक जीवन के साधारण आँकड़ों के लिए विभिन्न प्रतिनिधि मानों जैसे समान्तर माध्य, मध्यिका, बहुलक की गणना करते हैं।

M-719. वास्तविक जीवन की स्थितियों में परिवर्तनशीलता को पहचानते हैं, जैसे – विद्यार्थियों की ऊँचाइयों में परिवर्तन, घटनाओं के घटित होने की अनिश्चितता, जैसे – सिक्के को उछालना।

M-720. दंड आलेख के द्वारा आँकड़ों की व्याख्या करते हैं, जैसे – गर्मियों में बिजली की खपत सर्दियों के मौसम से ज़्यादा होती है, किसी टीम द्वारा प्रथम 10 ओवर में बनाए गए रनों का स्कोर आदि।

कक्षा - 8

बच्चे–

M-801. परिमेय संख्याओं में योग, अंतर, गुणन, तथा भाग के गुणों का एक पैटर्न द्वारा सामान्यीकरण करते हैं।

M-802. दो परिमेय संख्याओं के बीच अनेक परिमेय संख्याएँ ज्ञात करते हैं।

M-803. 2, 3, 4, 5, 6, 9 तथा 11 से विभाजन के नियम को सिद्ध करते हैं।

M-804. संख्याओं का वर्ग, वर्गमूल, घन, तथा घनमूल विभिन्न तरीकों से ज्ञात करते हैं।

M-805. पूर्णांक घातों वाली समस्याएँ हल करते हैं।

M-806. चरों का प्रयोग कर दैनिक जीवन की समस्याएँ तथा पहेली हल करते हैं।

M-807. बीजीय व्यंजकों को गुणा करते हैं, जैसे $(2x-5)(3x^2+7)$ का विस्तार करते हैं।

M-808. विभिन्न सर्वसमिकाओं का उपयोग दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए करते हैं।

M-809. प्रतिशत की अवधारणा का प्रयोग लाभ तथा हानि की स्थितियों में छूट की गणना, जी.एस.टी.(GST), चक्रवृद्धि ब्याज की गणना के लिए करते हैं, जैसे – अंकित मूल्य तथा वास्तविक छूट दी गई हो तो छूट

प्रतिशत ज्ञात करते हैं अथवा क्रय मूल्य तथा लाभ की राशि दी हो तो लाभ प्रतिशत ज्ञात करते हैं।

M-810. समानुपात तथा व्युत्क्रमानुपात (direct and inverse proportion) पर आधारित प्रश्न हल करते हैं।

M-811. कोणों के योग के गुणधर्म का प्रयोग कर चतुर्भुज के कोणों से संबंधित समस्याएँ हल करते हैं।

M-812. समांतर चतुर्भुज के गुणधर्मों का सत्यापन करते हैं तथा उनके बीच तर्क द्वारा संबंध स्थापित करते हैं।

M-813. 3D आकृतियों को समतल, जैसे – कागज़ के पन्ने, श्यामपट आदि पर प्रदर्शित करते हैं।

M-814. पैटर्न के माध्यम से यूलर (Euler's) संबंध का सत्यापन करते हैं।

M-815. पैमाना (स्केल) तथा परकार के प्रयोग से विभिन्न चतुर्भुज की रचना करते हैं।

M-816. समलंब चतुर्भुज तथा अन्य बहुभुज के क्षेत्रफल का अनुमानित मान इकाई वर्ग ग्रिड/ग्राफ़ पेपर के माध्यम से करते हैं तथा सूत्र द्वारा उसका सत्यापन करते हैं।

M-817. बहुभुज का क्षेत्रफल ज्ञात करते हैं।

M-818. घनाभाकार तथा बेलनाकार वस्तुओं का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन ज्ञात करते हैं।

M-819. दंड आलेख तथा पाई आलेख बनाकर उनकी व्याख्या करते हैं।

M-820. किसी घटना के पूर्व में घटित होने या पासे या सिक्कों की उछाल के आँकड़ों के आधार पर भविष्य में होने वाली ऐसी घटनाओं के घटित होने के लिए अनुमान (Hypothesize) लगाते हैं।

पर्यावरण अध्ययन

कक्षा - 3

बच्चे–

EVS-301. सामान्य रूप से अवलोकन द्वारा पहचाने जाने वाले लक्षणों (आकार, रंग, बनावट, गंध) के आधार पर अपने आस-पास के परिवेश में उपलब्ध पेड़ों की पत्तियों, तनों एवं छाल को पहचानते हैं।

EVS-302. अपने परिवेश में पाए जाने वाले जीव-जंतुओं को उनके सामान्य लक्षणों (जैसे- आवागमन, वे स्थान जहाँ वे पाए/रखे जाते हैं, भोजन की आदतों, उनकी ध्वनियों) के आधार पर पहचानते हैं।

EVS-303. परिवार के सदस्यों के साथ अपने तथा उनके आपस के संबंधों को समझते हैं।

EVS-304. अपने घर/ विद्यालय /आस-पास की वस्तुओं, संकेतों (बर्तन, चूल्हे, यातायात, संप्रेषण के साधन साइनबोर्ड आदि), स्थानों, (विभिन्न प्रकार के घर/आश्रय, बस स्टैंड, पेट्रोल पंप आदि), गतिविधियों (लोगों के कार्यों, खाना बनाने की प्रक्रिया आदि) को पहचानते हैं ।

EVS-305. विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों, जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के लिए पानी तथा भोजन की उपलब्धता एवं घर तथा परिवेश में पानी के उपयोग का वर्णन करते हैं।

EVS-306. मौखिक/लिखित/अन्य तरीकों से परिवार के सदस्यों की भूमिका, परिवार का प्रभाव (गुणों/लक्षणों/आदतों/व्यवहार) एवं साथ रहने की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।

EVS-307. समानताओं/असमानताओं (जैसे – रंग-रूप/रहने के स्थान/भोजन/आवागमन/पसंद-नापसंद/कोई अन्य लक्षण) के अनुसार वस्तुओं, पक्षियों, जंतुओं, लक्षणों, गतिविधियों को विभिन्न संवेदी अंगों के उपयोग द्वारा पहचान कर उनके समूह बनाते हैं।

EVS-308. वर्तमान और पहले की (बड़ों के समय की) वस्तुओं और गतिविधियों (जैसे कपड़े/बर्तन/खेलों/ लोगों द्वारा किए जाने वाले कार्यों) में अंतर करते हैं।

EVS-309. चिह्नों द्वारा/संकेतों द्वारा/बोलकर सामान्य मानचित्रों (घर/कक्षा कक्ष/विद्यालय के) में दिशाओं, वस्तुओं/स्थानों की स्थितियों की पहचान करते हैं।

EVS-310. दैनिक जीवन की गतिविधियों में वस्तुओं के गुणों का अनुमान लगाते हैं, मात्राओं का आकलन करते हैं तथा उनकी संकेतों एवं अमानक इकाइयों (बित्ता/चम्मच/मग आदि) द्वारा जाँच करते हैं।

EVS-311. भ्रमण के दौरान विभिन्न तरीकों से वस्तुओं/गतिविधियों/स्थानों के अवलोकनों, अनुभवों, जानकारियों को रिकॉर्ड करते हैं तथा पैटर्नों (उदाहरण के लिए चंद्रमा के आकार, मौसम आदि) को बताते हैं।

EVS-312. चित्र, डिज़ाइन, नमूनों (Motifs), मॉडलों, वस्तुओं से ऊपर से, सामने से और 'साइड से दृश्यों, सरल मानचित्रों (कक्षाकक्ष, घर/विद्यालय के भागों के) और नारों तथा कविताओं आदि की रचना करते हैं।

EVS-313. स्थानीय, भीतर तथा बाहर खेले जाने वाले खेलों के नियम तथा सामूहिक कार्यों का अवलोकन करते हैं।

EVS-314. अच्छे-बुरे स्पर्श, जेंडर के संदर्भ में परिवार में कार्य/खेल/भोजन के संबंध में रूढ़िबद्धताओं पर; जैसे परिवार तथा विद्यालय में भोजन, कार्यों के बटवारे तथा पानी के दुरुपयोग/अपव्यय पर अपनी आवाज़ उठाते हैं।

EVS-315. अपने आस-पास के पौधों, जंतुओं, बड़ों, विशेष आवश्यकताओं वालों तथा विविध पारिवारिक व्यवस्था (रंग-रूप, क्षमताओं, पसंद/नापसंद तथा भोजन तथा आश्रय संबंधी मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता में विविधता) के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हैं।

कक्षा - 4

बच्चे–

EVS-401. आस-पास परिवेश में पाए जाने वाले फूलों, जड़ों तथा फलों के आकार, रंग, गंध, वे कैसे वृद्धि करते हैं तथा उनके अन्य सामान्य लक्षण क्या हैं – जानते और पहचानते हैं ।

EVS-402. पशु-पक्षियों की विभिन्न विशिष्टताओं, जैसे – चोंच दाँत, पंजे, कान, रोम, घोंसला, रहने के स्थान आदि को पहचानते हैं।

EVS-403. विस्तृत कुटुंब में अपने तथा परिवार के अन्य सदस्यों के आपसी रिश्तों को पहचानते हैं।

EVS-404. चींटियों, मधुमक्खियों और हाथी जैसे जीवों के समूह में व्यवहार तथा पक्षियों द्वारा घोंसला बनाने की क्रिया का वर्णन करते हैं। परिवार में जन्म, विवाह, स्थानांतरण आदि से होने वाले परिवर्तनों की व्याख्या करते हैं।

EVS-405. दैनिक जीवन के विभिन्न कौशल-युक्त कार्यों- खेती, भवन निर्माण, कला / शिल्प आदि का वर्णन करते हैं तथा पूर्वजों से मिली विरासत एवं प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका की व्याख्या करते हैं।

EVS-406. दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं, जैसे – भोजन, जल, वस्त्र के उत्पादन तथा उनकी उपलब्धता; स्रोत से घर तक पहुँचने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं। उदाहरण के लिए फ़सल का खेत से मंडी और फिर घर तक पहुँचना; स्थानीय स्रोत से लेकर जल का घरों व पास-पड़ोस तक पहुँचना और उसका शुद्धिकरण होना।

EVS-407. अतीत और वर्तमान की वस्तुओं तथा गतिविधियों में अंतर करते हैं। उदाहरण के लिए परिवहन, मुद्रा, आवास, पदार्थ, उपकरण, खेती और भवन-निर्माण के कौशल आदि।

EVS-408. पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों, वस्तुओं, अनुपयोगी वस्तुओं को उनके अवलोकन योग्य लक्षणों (स्वरूप, कान, बाल, चोंच, दाँत, तत्वों /सतह की प्रकृति) मूल प्रवृत्तियों (पालतू, जंगली, फल / सब्ज़ी / दालें / मसाले और उनका सुरक्षित काल), उपयोग (खाने योग्य, औषधीय, सजावट, कोई अन्य, पुन: उपयोग), गुण (गंध, स्वाद, पसंद आदि) के आधार पर समूहों में बाँटते हैं।

EVS-409. गुणों, परिघटनाओं की स्थितियों आदि का अनुमान लगाते हैं, देशिक मात्राओं जैसे दूरी, वज़न, समय, अवधि का मानक/स्थानीय इकाइयों (किलो, गज, पाव आदि) में अनुमान लगाते हैं और कारण तथा प्रभाव के मध्य संबंध स्थापन के सत्यापन हेतु साधारण उपकरणों / व्यवस्थाओं का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए वाष्पन, संघनन, विलयन, अवशोषण, दूरी के संबंध में पास/दूर,

वस्तुओं के संबंध में आकृति व वृद्धि, फूलों, फलों तथा सब्ज़ियों के सुरक्षित रखने की अवधि आदि।

EVS-410. वस्तुओं, गतिविधियों, घटनाओं, भ्रमण किए गए स्थानों- मेलों, उत्सवों, ऐतिहासिक स्थलों के अवलोकनों/अनुभवों/ सूचनाओं को विविध तरीकों से रिकार्ड करते हैं तथा गतिविधियों, नक्शों, परिघटनाओं में विभिन्न पैटर्न का अनुमान लगाते हैं ।

EVS-411. वस्तुओं और स्थानों के संकेतों तथा उनकी स्थिति को पहचानते हैं। विद्यालय और पास-पड़ोस की जगहों को संकेतों का इस्तेमाल करते हुए नक्शे में बता पाते हैं।

EVS-412. साइनबोर्ड, पोस्टर्स, करेंसी (नोट / सिक्के), रेलवे टिकट/समय सारणी में दी गई जानकारियों का उपयोग करते हैं ।

EVS-413. स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्रियों/अनुपयोगी पदार्थों से कोलॉज, डिजाइन, मॉडल, रंगोली, पोस्टर, एलबम बनाते हैं और विद्यालय/पास-पड़ोस के नक्शे और फ्लो चित्र आदि की रचना करते हैं।

EVS-414. परिवार/ विद्यालय /पास-पड़ोस में व्याप्त रुढ़िबद्ध सोच (पसंद, निर्णय लेने/समस्या निवारण संबंधी सार्वजनिक स्थलों के उपयोग, जल, मध्यान्ह भोजन/सामूहिक भोज में जाति आधारित भेदभाव पूर्ण व्यवहार, बाल अधिकार (विद्यालय प्रवेश, बाल प्रताड़ना, बाल श्रमिक) संबंधी मुद्दों का अवलोकन करते हैं तथा इन मुद्दों पर अपनी बात कहते हैं ।

EVS-415. स्वच्छता, कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनः चक्रण के लिए तरीके सुझाते हैं। विभिन्न सजीवों (पौधों, जंतुओं, बुजुर्गों तथा विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों), संसाधनों (भोजन, जल तथा सार्वजनिक संपत्ति) की देखभाल करते हैं।

कक्षा - 5

बच्चे–

EVS-501. पशु-पक्षियों को अति संवेदी इंद्रियों और असाधारण लक्षणों (दृष्टि, गंध, श्रवण, नींद, ध्वनि आदि) के आधार पर ध्वनि तथा भोजन के प्रति उनकी प्रतिक्रिया की व्याख्या करते हैं ।

EVS-502. दैनिक जीवन की आधारभूत आवश्यकताओं (भोजन, जल आदि) और उन्हें उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तथा तकनीकी को समझते हैं, उदाहरण के लिए खेत में उत्पन्न वस्तुओं का रसोई घर पहुँचना, अनाज का रोटी बनना, संरक्षण तकनीकों, जल स्रोतों का पता लगाने और जल एकत्रित करने की तकनीक को समझाते हैं।

EVS-503. पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं तथा मनुष्यों में परस्पर निर्भरता का वर्णन करते हैं। (उदाहरण के लिए आजीविका के लिए समुदायों की जीव-जंतुओं पर निर्भरता और साथ ही बीजों के प्रकीर्णन में जीव-जंतुओं और मनुष्य की भूमिका आदि)

EVS-504. दैनिक जीवन में उपयोगी विभिन्न संस्थाओं (बैंक, पंचायत, सहकारी, पुलिस थाना आदि) की भूमिका तथा कार्यों का वर्णन करते हैं।

EVS-505. भू-क्षेत्रों, जलवायु, संसाधनों (भोजन, जल, आश्रय, आजीविका) तथा सांस्कृतिक जीवन में आपसी संबंध स्थापित करते हैं। (उदाहरण के लिए दूरस्थ तथा कठिन क्षेत्रों जैसे गर्म/ठंडे मरुस्थलों में जीवन।)

EVS-506. वस्तुओं, सामग्री तथा गतिविधियों का उनके लक्षणों तथा गुणों जैसे-आकार, स्वाद, रंग, स्वरूप, ध्वनि आदि विशिष्टताओं के आधार पर समूह बनाते हैं।

EVS-507. वर्तमान तथा अतीत में हमारी आदतों/पद्धतियों, प्रथाओं, तकनीकों में आए अंतर को सिक्कों, पेंटिंग, स्मारक, संग्रहालय के माध्यम से तथा बड़ों से बातचीत कर पता लगाते हैं, (उदाहरण के लिए फ़सल उगाने, संरक्षण, उत्सव, वस्त्रों, वाहनों, सामग्रियों या उपकरणों, व्यवसायों, मकान तथा भवनों, भोजन बनाने, खाने तथा कार्य करने के संबंध में।)

EVS-508. परिघटनाओं की स्थितियों और गुणों का अनुमान लगाते हैं। स्थान संबंधी मात्रकों, दूरी, क्षेत्रफल, आयतन, भार का अनुमान लगाते हैं और साधारण मानक इकाइयों द्वारा व्यक्त तथा साधारण उपकरणों/सेटअप द्वारा उनके सत्यापन की जाँच करते हैं। (उदाहरण के लिए तैरना, डूबना, मिश्रित होना, वाष्पन, अंकुरण, नष्ट होना, श्वास लेना, स्वाद आदि ।)

EVS-509. अवलोकनों, अनुभवों तथा जानकारियों को एक व्यवस्थित क्रम में रिकार्ड करते हैं (उदाहरण के लिए सारणी, आकृतियों, बारग्राफ़, पाई चार्ट आदि के रूप में) और कारण तथा प्रभाव में संबंध स्थापित करने हेतु गतिविधियों, परिघटनाओं में पैटर्नों का अनुमान लगाते हैं (उदाहरण के लिए तैरना, डूबना, मिश्रित होना, वाष्पन, अंकुरण, नष्ट होना, खराब हो जाना)।

EVS-510. संकेतों, दिशाओं, विभिन्न वस्तुओं की स्थितियों, इलाकों के भूमि चिह्नों और भ्रमण किए गए स्थलों को मानचित्र में पहचानते हैं तथा विभिन्न स्थलों की स्थितियों के संदर्भ में दिशाओं का अनुमान लगाते हैं।

EVS-511. आस पास भ्रमण किए गए स्थानों के पोस्टर, डिजाइन, मॉडल, ढाँचे, स्थानीय सामग्रियाँ, चित्र, नक्शे विविध स्थानीय और बेकार वस्तुओं से बनाते हैं। और कविताएँ/नारे/यात्रा वर्णन लिखते हैं।

EVS-512. अवलोकन और अनुभव किए गए मुद्दों पर आवाज़ उठाकर अपने मत व्यक्त करते हैं और व्यापक सामाजिक मुद्दों को समाज में प्रचलित रीतियों/घटनाओं, जैसे – पहुँच के लिए भेदभाव, संसाधनों के स्वामित्व, प्रवास/ विस्थापन/ परिवर्तन और बाल अधिकार आदि से जोड़ते हैं।

EVS-513. स्वच्छता, स्वास्थ्य, अपशिष्टों के प्रबंधन, आपदा/आपातकालीन स्थितियों से निपटने के संबंध में तथा संसाधानों (भूमि, ईंधन, वन, जंगल इत्यादि) की सुरक्षा हेतु सुझाव देते हैं तथा सुविधावंचित के प्रति संवेदना दर्शाते हैं।

विज्ञान

कक्षा - 6

बच्चे–

S-601. पदार्थों और जीवों, जैसे- वनस्पति रेशे, पुष्प, आदि को अवलोकन योग्य विशेषताओं, जैसे- बाह्य आकृति, बनावट, कार्य, गंध, आदि के आधार पर पहचान करते हैं।

S-602. पदार्थों और जीवों में गुणों, संरचना एवं कार्यों के आधार पर भेद करते हैं, जैसे – तंतु (रेशे) एवं धागे में, मूसला एवं रेशेदार जड़ में, विद्युत्-चालक एवं विद्युत-रोधक में आदि।

S-603. पदार्थों, जीवों और प्रक्रियाओं को अवलोकन योग्य गुणों के आधार पर वर्गीकृत करते हैं, जैसे – पदार्थों को विलेय, अविलेय, पारदर्शी, पारभासी एवं अपारदर्शी के रूप में; परिवर्तनों को, उत्क्रमणीय हो सकते हैं एवं उत्क्रमणीय नहीं हो सकते, के रूप में; पौधों को शाक, झाड़ी, वृक्ष, विसर्पी लता, आरोही के रूप में; आवास के घटकों को जैव एवं अजैव घटकों के रूप में; गति को सरल रेखीय, वर्तुल एवं आवर्ती के रूप में आदि।

S-604. प्रश्नों के उत्तर ज्ञात करने के लिये सरल छानबीन करते हैं, जैसे- पशु चारे में पोषक तत्व कौन से हैं? क्या समस्त भौतिक परिवर्तन उत्क्रमणीय किये जा सकते हैं? क्या स्वतंत्रतापूर्वक लटका हुआ चुंबक किसी विशेष दिशा में अवस्थित हो जाता है?

S-605. प्रक्रियाओं और परिघटनाओं को कारणों से सम्बंधित करते हैं, जैसे- भोजन और अभावजन्य रोग; वनस्पति एवं जंतुओं का आवास के साथ अनुकूलन; प्रदूषकों के कारण वायु की गुणवत्ता आदि।

S-606. प्रक्रियाओं और परिघटनाओं की व्याख्या करते हैं, जैसे – पादप रेशों का प्रसंस्करण, पौधों एवं जंतुओं में गति, छाया का बनना, समतल दर्पण से प्रकाश का परावर्तन, वायु के संघटन में विभिन्नता, वर्मीकंपोस्ट (कृमिकंपोस्ट) का निर्माण आदि।

S-607. भौतिक राशियों, जैसे – लंबाई, का मापन करते हैं तथा मापन को एस.आई. मात्रक (अंतर्राष्ट्रीय मात्रक-प्रणाली) में व्यक्त करते हैं।

S-608. जीवों और प्रक्रियाओं के नामांकित चित्र/फ्लो चार्ट बनाते हैं, जैसे – पुष्प के भाग, संधियाँ, निस्यंदन (फिल्टर करना), जल चक्र आदि

S-609. अपने परिवेश की सामग्रियों का उपयोग कर मॉडलों का निर्माण करते हैं और उनकी कार्यविधि की व्याख्या करते हैं, जैसे –पिनहोल कैमरा, पेरिस्कोप, विद्युत टार्च आदि।

S-610. वैज्ञानिक अवधारणाओं की समझ को दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं, जैसे- संतुलित भोजन हेतु भोज्य पदार्थों का चयन करना, पदार्थों को अलग करना, मौसम के अनुकूल कपड़ों का चयन करना, दिक्सूची के प्रयोग द्वारा दिशा का ज्ञान करना, भारी वर्षा/अकाल की परिस्थितियों से निपटने की प्रक्रिया में सुझाव देना आदि।

S-611. पर्यावरण की सुरक्षा हेतु प्रयास करते हैं, जैसे- भोजन, जल, विद्युत के अपव्यय और कचरे के उत्पादन को न्यूनतम करना; वर्षा जल संग्रहण; पौधों की देखभाल अपनाने हेतु जागरूकता फैलाना आदि।

S-612. डिज़ाइन बनाने, योजना बनाने एवं उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने में रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हैं।

S-613. ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, सहयोग, भय एवं पूर्वाग्रहों से मुक्ति, जैसे मूल्यों को प्रदर्शित करते हैं।

कक्षा - 7

बच्चे–

S-701. पदार्थों और जीवों, जैसे- जंतु रेशे, दाँतों के प्रकार, दर्पण और लेंस, आदि को अवलोकन योग्य विशेषताओं, जैसे – छवि/आकृति, बनावट, कार्य आदि के आधार पर पहचान करते हैं।

S-702. पदार्थों और जीवों में गुणों, संरचना एवं कार्यों के आधार पर भेद करते हैं, जैसे- विभिन्न जीवों में पाचन, एकलिंगी व द्विलिंगी पुष्प, ऊष्मा के चालक व कुचालक, अम्लीय, क्षारकीय व उदासीन पदार्थ, दर्पणों व लेंसों से बनने वाले प्रतिबिम्बों आदि।

S-703. पदार्थों, जीवों और प्रक्रियाओं को अवलोकन योग्य गुणों के आधार पर वर्गीकृत करते हैं, जैसे – पादप व जंतु रेशे तथा भौतिक व रासायनिक परिवर्तन।

S-704. प्रश्नों के उत्तर ज्ञात करने के लिये सरल छानबीन करते हैं, जैसे- क्या फूलों (रंगीन फूलों) के निकर्ष का उपयोग अम्लीय-क्षारीय सूचकों के रूप में किया जा सकता है? क्या हरे रंग से भिन्न रंग वाले पत्तों में भी

प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया होती है? क्या सफ़ेद रंग का प्रकाश बहुत से रंगों से मिलकर बनता है? आदि।

S-705. प्रक्रियाओं और परिघटनाओं को कारणों से सम्बंधित करते हैं, जैसे- हवा की गति का वायु दाब से, मिट्टी के प्रकार का फसल उत्पादन से, मानव गतिविधियों से जल स्तर के कम होने से, आदि।

S-706. प्रक्रियाओं और परिघटनाओं की व्याख्या करते है, जैसे- जंतु रेशों का प्रसंस्करण, ऊष्मा संवहन के तरीके, मानव व पादपों के विभिन्न अंग व तंत्र, विद्युत धारा के ऊष्मीय व चुंबकीय प्रभाव, आदि।

S-707. रासायनिक अभिक्रियाओं, जैसे- अम्ल-क्षारक अभिक्रिया, संक्षारण, प्रकाश संश्लेषण, श्वसन, आदि के शब्द-समीकरण लिखते हैं।

S-708. ताप, स्पंद दर, गतिमान पदार्थों की चाल, सरल लोलक की समय गति, आदि के मापन एवं गणना करते हैं।

S-709. नामांकित चित्र/फ्लो चार्ट बनाते हैं, जैसे– मानव व पादप अंग- तंत्र, विद्युत परिपथ, प्रयोगशाला-व्यवस्थाएँ, रेशम के कीड़े के जीवन-चक्र आदि।

S-710. ग्राफ़ बनाते है और उसकी व्याख्या करते हैं, जैसे- दूरी-समय का ग्राफ़।

S-711. अपने परिवेश की सामग्री का उपयोग कर मॉडलों का निर्माण करते हैं और उनकी कार्यविधि की व्याख्या करते हैं, जैसे- स्टेथोस्कोप, एनीमोमीटर, इलेक्ट्रोमैगनेट, न्यूटन की कलर डिस्क आदि।

S-712. वैज्ञानिक अन्वेषणों की कहानियों पर परिचर्चा करते हैं और उनका महत्व समझते हैं।

S-713. वैज्ञानिक अवधारणाओं की समझ को दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं, जैसे- अम्लीयता से निपटना, मिट्टी की जाँच एवं उसका उपचार, संक्षारण को रोकने के विभिन्न उपाय, कायिक प्रवर्धन के द्वारा कृषि, दो अथवा दो से अधिक विद्युत सेलों का विभिन्न विद्युत उपकरणों में संयोजन, विभिन्न आपदाओं के दौरान व उनके बाद उनसे निपटना, प्रदूषित पानी के पुनःउपयोग हेतु उपचारित करने की विधियाँ सुझाना आदि।

S-714. पर्यावरण की सुरक्षा हेतु प्रयास करते हैं, जैसे- सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता प्रबंधन हेतु अच्छी आदतों का अनुसरण, प्रदूषकों के उत्पादन को न्यूनतम करना, मिट्टी के क्षरण को रोकने के लिए अधिकाधिक वृक्ष लगाना, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग करने के परिणामों के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाना आदि।

S-715. डिज़ाइन बनाने, योजना बनाने एवं उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने में रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हैं।

S-716. ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, सहयोग, भय एवं पूर्वाग्रहों से मुक्ति जैसे मूल्यों को प्रदर्शित करते हैं।

कक्षा - 8

बच्चे–

S-801. पदार्थों और जीवों में गुणों, संरचना एवं कार्यों के आधार पर भेद करते हैं, जैसे- प्राकृतिक एवं मानव निर्मित रेशों, संपर्क और असंपर्क बलों, विद्युत चालक और विद्युत रोधक के रूप में द्रव पदार्थों, पौधों और जंतुओं की कोशिकाओं, पिंडज और अंडज जंतुओं में आदि।

S-802. पदार्थों, जीवों और प्रक्रियाओं को अवलोकन योग्य गुणों के आधार पर वर्गीकृत करते हैं, जैसे- धातुओं और अधातुओं, खरीफ और रबी फसलों, उपयोगी और हानिकारक सूक्ष्मजीवों, लैंगिक और अलैंगिक प्रजनन, खगोलीय पिंडों, समाप्त होने वाले एवं अक्षय प्राकृतिक संसाधन आदि।

S-803. प्रश्नों के उत्तर ज्ञात करने के लिये सरल छानबीन करते हैं, जैसे- दहन के लिए आवश्यक शर्तें क्या हैं? हम अचार और मुरब्बों में नमक और चीनी क्यों मिलाते हैं? क्या द्रव समान गहराई पर समान दाब डालते हैं?

S-804. प्रक्रियाओं और परिघटनाओं को कारणों से सम्बंधित करते हैं, जैसे- हवा में प्रदूषकों की उपस्थिति के कारण धूम-कोहरे का बनना; अम्ल वर्षा के कारण स्मारकों का क्षरण आदि।

S-805. प्रक्रियाओं और परिघटनाओं की व्याख्या करते है, जैसे- मनुष्य और जंतुओं में प्रजनन; ध्वनि का उत्पन्न होना तथा संचरण; विद्युत धारा के रासायनिक प्रभाव; बहुप्रतिबिंबों का बनना, ज्वाला की संरचना आदि।

S-806. रासायनिक अभिक्रियाओं, जैसे- धातुओं और अधातुओं की वायु, जल तथा अम्लों के साथ अभिक्रियाओं के लिए शब्द-समीकरण लिखते हैं।

S-807. आपतन और परावर्तन कोणों आदि का मापन करते हैं।

S-808. सूक्ष्मजीवों, प्याज़ की झिल्ली, मानव गाल की कोशिकाओं, आदि के स्लाइड तैयार करते हैं और उनसे संबंधित सूक्ष्म लक्षणों का वर्णन करते हैं।

S-809. नामांकित चित्र/फ्लो चार्ट बनाते हैं, जैसे – कोशिका की संरचना, आँख, मानव जनन, अंगों एवं प्रयोग संबंधी व्यवस्थाओं आदि।

S-810. अपने परिवेश की सामग्रियों का उपयोग कर मॉडलों का निर्माण करते हैं और उनकी कार्यविधि की व्याख्या करते हैं, जैसे – इकतारा, इलेक्ट्रोस्कोप, अग्नि शामक यंत्र आदि।

S-811. वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझकर दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं, जैसे- अम्लीयता से निपटना, मिट्टी की जाँच एवं उसका उपचार, संक्षारण को रोकने के विभिन्न उपाय, कायिक प्रवर्धन के द्वारा कृषि, दो अथवा दो से अधिक विद्युत सेलों का विभिन्न विद्युत उपकरणों में संयोजन, विभिन्न आपदाओं के दौरान व उनके बाद उनसे निपटना, प्रदूषित पानी के पुनःउपयोग हेतु उपचारित करने की विधियाँ सुझाना आदि।

S-812. वैज्ञानिक अन्वेषणों की कहानियों पर परिचर्चा करते हैं और उनका महत्व समझते हैं।

S-813. पर्यावरण की सुरक्षा हेतु प्रयास करते हैं, जैसे- संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करके; उर्वरकों और कीटनाशकों का नियंत्रित उपयोग करके; पर्यावरणीय खतरों से निपटने के सुझाव देकर आदि।

S-814. डिज़ाइन बनाने, योजना बनाने एवं उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने में रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हैं।

S-815. ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, सहयोग, भय एवं पूर्वाग्रहों से मुक्ति जैसे मूल्यों को प्रदर्शित करते हैं।

सामाजिक विज्ञान

कक्षा - 6

बच्चे–

SS-601.तारे, ग्रहों और उपग्रहों के मध्य अंतर करते हैं। उदाहरणस्वरूप - सूर्य, पृथ्वी और चन्द्रमा इत्यादि।

SS-602.यह पहचान कर सकते हैं कि पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व होने के कारण यह एक अद्वितीय (विशिष्ट) आकाशीय पिण्ड है। पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों को जीवमंडल के विशेष संदर्भ में पहचानते हैं।

SS-603.समतल सतह पर दिशाओं का पता लगाते हैं, तथा विश्व मानचित्र पर महाद्वीपों और सागरों को चिन्हित करते हैं।

SS-604.अक्षांश व देशान्तर को पहचानते हैं। उदाहरण के लिए ग्लोब एवं विश्व के मानचित्र पर ध्रुवों, भूमध्य रेखा, कटिबंधों, भारत के राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश और पड़ोसी देशों की पहचान करते हैं।

SS-605.भारत के मानचित्र में भौतिक विशेषताओं जैसे - पर्वत, पठार, मैदान, नदियों, मरूस्थल आदि को चिन्हित करते हैं।

SS-606.पैमाना, दिशाओं और मुख्य विशेषताएं दर्शाते हुए परम्परागत रूढ़ चिन्हों का प्रयोग करके अपने आस-पास का मानचित्र बनाते है।

SS-607.भारत की जलवायु को मानसूनी क्यों कहा जाता है इसे जानते हैं।

SS-608.कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार कहा जाता है, इसका विश्लेषण करते हैं।

SS-609.ऋतुओं के अनुसार उगाई जाने वाली फसलों का वर्गीकरण करते हैं।

SS-610.स्त्री -पुरूष असमानता के संदर्भ में भारतीय जनसंख्या की विशेषताओं का वर्णन करते हैं।

SS-611.किसी काल के इतिहास के विभिन्न स्त्रोतों (पुरातात्विक, साहित्यिक आदि) की पहचान कर इतिहास के पुर्ननिर्माण में उनके उपयोग का वर्णन करते है।

SS-612. भारत के रेखा मानचित्र में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दृश्यों व स्थलों को चिन्हित करते हैं ।

SS-613. आदि मानव सभ्यता / संस्कृति के विशिष्ट लक्षणों की पहचान कर उनके विकास का वर्णन करते हैं।

SS-614. विभिन्न साम्राज्यों व राजवंशों के महत्वपूर्ण योगदान को उदाहरण सहित सूचीबद्ध करते हैं जैसे - अशोक काल के शिलालेख, गुप्तकाल के सिक्के, पल्लवों के रथ मंदिर आदि।

SS-615. प्राचीनकाल के समग्र विकास का वर्णन करते हैं जैसे - शिकार करना एवं संग्रह करना, कृषि कार्य का आरंभ, सिंधु घाटी के आरंभिक नगर आदि और एक स्थान के विकास को दूसरे स्थानों के विकास के साथ संबंधित करते हैं।

SS-616. किसी काल के साहित्यिक, अभिलेखों में उल्लेखित प्रकरणों, घटनाओं, व्यक्तित्वों का वर्णन करते हैं।

SS-617. भारत द्वारा धर्म, कला एवं स्थापत्य आदि क्षेत्रों में बाह्य जगत से हुए सम्पर्क के उपरान्त हुए प्रभाव का वर्णन करते हैं।

SS-618. विज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र में भारत द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हैं जैसे - खगोलशास्त्र, औषधि विज्ञान, गणित एवं धातुओं का ज्ञान आदि।

SS-619. इतिहास के विभिन्न विकास के बारे में सूचनाओं को संश्लेषित करते हैं।

SS-620. प्राचीनकाल के विभिन्न धर्मों और विचारधाराओं की मूल भावनाओं एवं धार्मिक मूल्यों का विश्लेषण करते है।

SS-621. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की उपलब्धता के लिए उत्तरदायी कारकों का वर्णन करते हैं।

SS-622. एकल व संयुक्त परिवारों की गुण - दोष के आधार पर समीक्षा करते हैं।

SS-623. राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के भाव को समझते हैं।

SS-624. सरकार/प्रशासन की भूमिका का वर्णन विशेष रूप से ‘स्थानीय स्तर के संदर्भ में करते हैं।

SS-625. सरकार/प्रशासन के विभिन्न स्तरों - स्थानीय, राज्य एवं संघ (केंद्रीय) स्तर को पहचानते हैं।

SS-626. स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण और शहरी स्तर पर स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली का वर्णन करते हैं।

SS-627. जनसुविधाएँ जैसे जल, स्वच्छता, सड़कें, बिजली इत्यादि की उपलब्धता को चिन्हित करते है और उपलब्ध कराने में सरकार की भूमिका को चिन्हित करते है।

कक्षा - 7

बच्चे–

SS-701. दिन, रात व ऋतुओं की कार्य पद्धति का प्रदर्शन करते हैं।

SS-702. वायुमंडल की परतों को चित्र में पहचानते हैं।

SS-703. वायुमंडल के संघटकों और संरचना की व्याख्या करते हैं।

SS-704. वायु की उपलब्धता पर प्रयोग कर समझाते हैं।

SS-705. मौसम एवं जलवायु में उदाहरण देकर अन्तर करते हैं।

SS-706. चित्र में ज्वार - भाटा की स्थिति का विश्लेषण करते हैं।

SS-707. धरातल पर उपलब्ध जल के वितरण एवं जल संरक्षण की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।

SS-708. भारत और विश्व के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उनके जीवन के बीच अंतर्संबंध का पता लगाते हैं।

SS-709. विश्व मानचित्र या ग्लोब पर विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के वितरण और विस्तार को चिन्हित करते हैं।

SS-710. वनस्पति व जीव जन्तुओं की विविधता को निर्धारित करने वाले कारणों और कारको को बताते हैं। जैसे - जलवायु, भू-भाग आदि।

SS-711. प्राकृतिक संसाधन जैसे वायु, जल, ऊर्जा, वनस्पति व जीव जन्तुओं के संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता दर्शाते हैं।

SS-712. किसी विशेष क्षेत्र के विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण करते हैं।

SS-713. विभिन्न कालों के इतिहास के अध्ययन के लिए स्त्रोतों का उदाहरण देते हैं।

SS-714. मध्यकाल में एक स्थान पर हुए प्रमुख ऐतिहासिक विकास को अन्य स्थान में हुए विकास के साथ संबंद्ध करते हैं।

SS-715. मध्यकाल में हुए सामाजिक - राजनीतिक एवं आर्थिक परिवर्तनों की व्याख्या करते हैं।

SS-716. विभिन्न साम्राज्यों द्वारा सेना के नियंत्रण हेतु अपनाए गए प्रशासनिक तरीकों और रणनीतियों का विश्लेषण करते हैं। जैसे खिलजी, तुगलक एवं मुगल आदि।

SS-717. विभिन्न शासकों की नीतियों की तुलना करते हैं।

SS-718. मंदिरों, मकबरों और मस्जिदों के निर्माण में जो विशिष्ट शैलियाँ और तकनीकी विकसित हुई उनका उदाहरण सहित वर्णन करते हैं।

SS-719. उन कारकों का विश्लेषण करते है जिनसे नवीन धार्मिक विचारों और आन्दोलनों (भक्ति एवं सूफी) का अभ्युदय हुआ।

SS-720. प्रचलित सामाजिक व्यवस्था में भक्ति मार्ग एवं सूफी संतों की कविताओं से निष्कर्ष निकालते हैं।

SS-721. मराठा शासन व्यवस्था का वर्णन करते हैं।

SS-722. भारतीय संविधान की प्रस्तावना बिन्दुओं के भाव को समझते है।

SS-723. अपने क्षेत्र के संबंध में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों को समानता के अधिकार के संदर्भ में व्याख्या करते हैं।

SS-724. अपने क्षेत्र के सामाजिक और राजनीति मुद्दों की भारत के संविधान में उल्लेखित मूलभूत अधिकार एवं कर्तव्यों के संदर्भों में उदाहरण सहित व्याख्या करते हैं।

SS-725. किसी परिस्थिति में मूलभूत अधिकारों के हनन, संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए ज्ञान का अनुप्रयोग करते हैं। (बाल अधिकार के संदर्भ में)

SS-726. राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के बीच अंतर करते हैं।

SS-727. कानून बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।

SS-728. लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।

SS-729. राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश के मानचित्र में अपने संसदीय क्षेत्र को चिन्हित करते हैं और स्थानीय सांसद का नाम बताते है।

SS-730. स्थानीय सरकार और राज्य सरकार के बीच अंतर करते हैं।

SS-731. विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।

SS-732. राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के मानचित्र में अपने विधान सभा क्षेत्र को पहचानते हैं और स्थानीय विधायक का नाम बताते है।

SS-733. कुछ महत्वपूर्ण मामलों का संदर्भ करते हुए भारत में न्यायिक व्यवस्था के कार्यो का वर्णन करते हैं।

SS-734. किसी आवासीय क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और वहाँ के जीविकोपार्जन के तरीकों के मध्य संबंधो की व्याख्या करते हैं। उदाहरण के लिए जनजातियाँ व खानाबदोश।

कक्षा - 8

बच्चे–

SS-801. पृथ्वी की मुख्य आंतरिक परतों और चट्टानों के प्रकारों को चित्र में पहचानते हैं।

SS-802. विभिन्न कारकों के द्वारा निर्मित होने वाले भू-रूपों का वर्णन करते हैं।

SS-803. भारत और विश्व के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उनके जीवन के बीच अंतर्संबंध का पता लगाते हैं।

SS-804. वनस्पति व जीव जन्तुओं की विविधता को निर्धारित करने वाले कारणों और कारको को बताते हैं। जैसे - जलवायु, भू-भाग आदि।

SS-805. कृषि,खनिज व उद्योग किसी क्षेत्र/देश के विकास में किस प्रकार सहयोगी है का विश्लेषण करते हैं।

SS-806. प्राकृतिक संसाधनों जैसे जल, भूमि, जंगल इत्यादि के विवेकपूर्ण उपयोग और सभी क्षेत्रों में विकास / रखरखाव बनाए रखने का औचित्य बताते हैं।

SS-807. उन कारकों का विश्लेषण करते है जिसके कारण कुछ देश मुख्य फसलों के उत्पादक के रूप में जाने जाते है। जैसे - गेहूॅ, चावल, कपास इत्यादि और विश्व मानचित्र पर उन देशों को चिन्हित करते हैं।।

SS-808. आपदाओं एवं दुर्घटनाओं के कारकों पर प्रतिक्रिया देते हैं।

SS-809. आपदाओं जैसे भूकंप से बचाव के लिए की जाने वाली कार्यवाहियों की व्याख्या करते हैं।

SS-810. विश्व मानचित्र पर महत्वपूर्ण खनिजों के वितरण को चिन्हित करते हैं।जैसे - कोयला व खनिज तेल इत्यादि।

SS-811. पर्यावरण के विभिन्न घटकों और उनके मध्य अंतर्संबंधों का वर्णन करते हैं।

SS-812. अपने चारों ओर के प्रदूषण को बढाने वाले कारकों का विश्लेषण करते हैं और इन्हें रोकने वाले उपायों को सूचीबद्ध करते हैं।

SS-813. किसी देश की शांति व विकास में आंतकवाद सबसे बडा खतरा है कि समीक्षा करते हैं।

SS-814. यह स्पष्ट करते है कि ब्रिट्रिश ईस्ट इंडिया कंपनी सशक्त व प्रभावशाली कैसे बनी।

SS-815. देश के विभिन्न भागों में औपनिवेशिक कृषि संबंधी नीतियों जैसे 'नील विद्रोह के अलग - अलग प्रभावों को स्पष्ट करते हैं।

SS-816. 19 वीं सदी में विभिन्न जनजातीय समुदायों का वर्णन और उनके पर्यावरण के साथ संबंधों का वर्णन करते हैं।

SS-817. जनजातीय समुदायों के लिए औपनिवेशिक प्रशासन की नीतियों को स्पष्ट करते हैं।

SS-818. 1857 की क्रांति के उद्भव, प्रकृति और विस्तार एवं इससे क्या सीख प्राप्त हुई, इन्हें स्पष्ट करते हैं।

SS-819. औपनिवेशिक काल के दौरान भारत में पूर्व प्रचलित नगरीय केन्द्रों और हस्तशिल्प उद्योगों की स्थिति में गिरावट और नए नगरीय केन्द्रों व उद्योगों के विकास का विश्लेषण करते हैं।

SS-820. भारत की नवीन शिक्षा नीति के संस्थानीकरण को स्पष्ट करते हैं।

SS-821. जाति, महिला, विधवा पुर्नविवाह, बाल विवाह व सामाजिक सुधार और कानूनों जैसे मुद्दों तथा इससे संबंधित उपनिवेशवादी प्रशासन की नीति और नियमों का विश्लेषण करते हैं।

SS-822. आधुनिक काल में कला के क्षेत्र में हुए विकास को रेखांकित करते हैं।

SS-823. 1870 से स्वतंत्रता प्राप्ति तक भारत के राष्ट्रीय आंदोलनों को रेखांकित करते हैं।

SS-824. राष्ट्रीय आंदोलन में क्रांतिकारियों के योगदान की समीक्षा करते हैं।

SS-825. राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया के अन्तर्गत महत्वपूर्ण घटनाओं का विश्लेषण करते हैं।

SS-826. लोकतंत्र में समानता के महत्व को समझते हैं।

SS-827. राजनीतिक समानता, आर्थिक समानता और सामाजिक समानता के बीच अंतर करते हैं।

SS-828. राष्ट्रीय एकीकरण को सुदृढ़ करने वाले कारकों व अवरोधों को चिन्हित करते हैं।

SS-829. अपने आसपास की मानवीय विविधताओं का वर्णन करते है।

SS-830. विभिन्न रूपों में समानता और असमानता के बीच अंतर करते है एवं स्वस्थ तरीके से उनके प्रति व्यवहार करते है।

SS-831. समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं द्वारा जिन सामाजिक प्रतिकूलता की स्थिति का सामना करना पड़ता है, उसके कारण और प्रभावों का विश्लेषण करते हैं।

SS-832. क्षेत्र के वंचित समूहों के हाशिये पर होने के कारणों और प्रभावों का विश्लेषण करते हैं।

SS-833. कच्चे माल, आकार और स्वामित्व के आधार पर विभिन्न प्रकार के उद्योगों को वर्गीकृत करते हैं।

SS-834. अपने क्षेत्र व राज्य की मुख्य फसलों, खेती के प्रकार और प्रचलित कृषि पद्धति का वर्णन करते हैं।

SS-835. देश की सुरक्षा में रक्षा सेनाओं की भूमिका को समझते हैं।

SS-836. भारत की विदेश नीति के सिद्धान्तों की समीक्षा करते हैं।

SS-837. संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका का विश्लेषण करते हैं।

SS-838. भारत व उसके पड़ोसी देशों से संबंधों की समीक्षा करते हैं।

SS-839. समोच्च रेखाओं के माध्यम से विभिन्न स्थल रूपों को दर्शाते हैं।

संस्कृत

कक्षा - 6

बच्चे–

SKT-601. संस्कृत वर्णों और ध्वनियों को सुनकर पहचानते हैं (स्वर, व्यंजन, विसर्ग, अनुस्वार आदि)।
SKT-602. चित्रों को देखकर उनके संस्कृत नाम बताते हैं।
SKT-603. संस्कृत के श्लोकों व पद्यों को सुनकर उनका गायन करते हैं।
SKT-604. संस्कृत के शब्दों को शुद्ध पढ़ते हैं।
SKT-605. सरल प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में देते हैं।
SKT-606. शब्द रूपों का शुद्ध उच्चारण करते हैं।
SKT-607. संस्कृत संख्याओं का लिंग के अनुसार प्रयोग करते हैं।
SKT-608. संस्कृत वाक्यों में वचन, पुरुष, लिंग की पहचान करते हैं।
SKT-609. संस्कृत वाक्यों में कर्ता के साथ उचित क्रिया को जोड़ते हैं।
SKT-610. धातु एवं लकार की पहचान करते हैं।
SKT-611. चित्र देखकर संस्कृत में सरल वाक्य बनाते हैं।
SKT-612. दिये गये शब्दों के आधार पर आवेदन पत्र लिखते हैं।

कक्षा - 7

बच्चे–

SKT-701. संस्कृत के वाक्यों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ते हैं।
SKT-702. प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में देते हैं।
SKT-703. संस्कृत शब्दों के अर्थ बताते हैं।
SKT-704. संस्कृत के गद्यों एवं पद्यों का शुद्ध लेखन करते हैं।
SKT-705. विशेषण, विशेष्य, अव्यय, प्रत्यय, उपसर्ग आदि से वाक्य बनाते हैं।
SKT-706. संस्कृत संख्याओं का प्रयोग करते हैं।
SKT-707. दिये गये विषय पर संस्कृत में वाक्य लिखते हैं।
SKT-708. संधि के भेदों की पहचान और संधि के पदों का विच्छेद करते हैं।

SKT-709. शब्द रूपों को विभिन्न विभक्तियों में लिखते हैं।
SKT-710. धातु रूपों को विभिन्न लकारों में बदलते हैं।
SKT-711. कारकों की पहचान करते हैं।
SKT-712. दिये गये शब्दों पर आधारित आवेदन पत्र लिखते हैं।

कक्षा - 8

बच्चे–

SKT-801. संस्कृत में लिखित/मुद्रित सामग्री को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ते हैं।
SKT-802. संस्कृत पद्यों का गायन करते हैं।
SKT-803. पद्यों व गद्यांशों का अर्थ बताते हैं।
SKT-804. प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में देते हैं।
SKT-805.. संस्कृत संख्याओं का प्रयोग करते हैं।
SKT-806. निर्देशानुसार वाक्यों में लिंग, काल, वचन परिवर्तन करते हैं।
SKT-807. लकार एवं शब्द रूपों का प्रयोग करते हैं।
SKT-808. कारकों के प्रयोग से वाक्य बनाते हैं।
SKT-809. संधि विच्छेद एवं संधि करते हैं एवं नाम बताते हैं।
SKT-810. सामासिक शब्दों का विग्रह करते हैं।
SKT-811. दिये गये विषय पर संस्कृत मे वाक्य रचना करते हैं।
SKT-812. दिये गये शब्दों के आधार पर पत्र लिखते हैं।